आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक
हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 162 | उज्जैन, सोमवार 05 मई 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

जल-संरक्षण प्रशासन के साथ प्रत्येक नागरिक की सांस्कृतिक और नैतिक जिम्मेदारी-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

जन-जागरण से जल-संरक्षण का ऐतिहासिक जन-अभियान

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जल स्त्रोतों का संरक्षण केवल प्रशासन का कार्य नहीं, यह प्रत्येक नागरिक की सांस्कृतिक और नैतिक जिम्मेदारी है। जल संकट आज वैश्विक चिंता का विषय है और भारत जैसे कृषि प्रधान देश में यह विषय और भी अधिक गंभीर हो जाता है।

मध्यप्रदेश सरकार ने 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के माध्यम से इस चुनौती को अवसर में बदलने की प्रेरणास्पद पहल की है। जल-संरक्षण केवल अभियान नहीं, अपितु पर्यावरणीय पुनरुत्थान और सांस्कृतिक चेतना का समवेत संगम है।

जन-भागीदारी से जल संरचनाओं को नवजीवन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में 30 अप्रैल से प्रारंभ किया गया जल गंगा संवर्धन'' अभियान एक बहु-स्तरीय आयोजन है। इसका उद्देश्य राज्य के जल स्त्रोतों जैसे नदियों, तालाबों, झीलों, पुराने कुओं, बावड़ियों और जल-धाराओं को पुनर्जीवित करना और उन्हें सतत रूप से संरक्षित करना है। यह अभियान सरकारी योजना से आगे बढ़कर अब जन-आंदोलन का स्वरूप ले चुका है। अभियान का मुख्य उद्देश्य प्रदेश की नदियों, तालाबों, झीलों, पुराने कुओं, बावड़ियों और जल-धाराओं को सहेज कर उन्हें पुनर्जीवन देना है। इन जल स्त्रोतों की गाद निकासी, सफाई, सीमांकन और पुनर्जीवन की कार्य-योजना बनाई गई है, जिसमें जन-भागीदारी से श्रमदान भी किया जा रहा है। ग्राम पंचायतों से लेकर नगर निगमों तक लोग स्वयं आगे आकर जल स्त्रोतों की सफाई कर रहे हैं। नदियों के किनारे विशेष रूप से देशी प्रजातियों के पौधों का रोपण कर जल-स्तर बढ़ाने और मृदा क्षरण को रोकने का कार्य किया जा रहा है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को अनिवार्य किया जा रहा है। स्कूल और कॉलेजों में जल-संरक्षण पर जन-जागरण अभियान, रैलियाँ, निबंध प्रतियोगिताएँ, जल संवाद और 'जल प्रहरी' जैसी अवधारणाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। ड्रोन से सर्वेक्षण, वैज्ञानिक तरीके से जलग्रहण क्षेत्र की मैपिंग, भू-जल पुनर्भरण तकनीकों का उपयोग आदि भी अभियान का हिस्सा हैं।

पाकिस्तान पर एक और एक्शन, अब बिलावल भुट्टो और पूर्व पीएम इमरान खान का एक्स अकाउंट भारत में बैन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ लगातार कड़ा रुख अपना रखा है। इसी कड़ी में अब एक और बड़ी खबर सामने आ रही है। पाकिस्तान की 2 बड़ी शख्सियतों के एक्स अकाउंट भारत में बंद कर दिए गए हैं।

पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो और पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के एक्स अकाउंट पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। भारत के इस फैसले पाकिस्तान से बड़ा झटका लग सकता है। एक्स (पूर्व में ट्वीटर) ने भारत में बिलावल भुट्टो के एक्स अकाउंट @BBhuttoZardari और इमरान खान के एक्स अकाउंट @ImranKhanPTI को बैन कर दिया गया है। एक्स ने इसकी वजह लीगल डिमांड यानी कानून मांग को बताया है।

हालांकि यह पहली बार नहीं है जब भारत सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ ऐसा कदम उठाया है।

इससे पहले पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ का एक्स अकाउंट भी बंद कर दिया गया था। इसके अलावा पाकिस्तान सरकार के आधिकारिक एक्स हैंडल, कई पाकिस्तानी क्रिकेटर्स और सेलेब्स के यूट्यूब चैनल भी बंद कर दिए गए हैं।

पाक से तनातनी के बीच भारत को मिला आसमान का रक्षक, रूस की मदद से पलभर में दुश्मन का होगा खात्मा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच भारतीय सेना को एक बड़ी सैन्य मजबूती मिली है। सेना को हाल ही में रूसी मूल की ढ्ढद्दद्यड्ड-स् वायु रक्षा मिसाइलें प्राप्त हुई हैं। ये मिसाइलें बहुत कम दूरी की वायु सुरक्षा प्रणाली का हिस्सा हैं और सेना की हवाई हमलों से रक्षा करने की क्षमता को और मजबूत करेंगी।

सरकार द्वारा सेना को दिए गए आपातकालीन खरीद अधिकारों के तहत यह सौदा किया गया था। लगभग 260 करोड़ रुपये की लागत वाले इस अनुबंध के तहत प्राप्त मिसाइलों को सीमा पर तैनात अग्रिम चौकियों को दिया जा रहा है ताकि दुश्मन के लड़ाकू विमान, हेलिकॉप्टर और ड्रोन से रक्षा की जा सके।सूत्रों के अनुसार, ये मिसाइलें कुछ हफ्ते पहले सेना को मिली हैं और इन्हें पश्चिमी सीमाओं पर तैनात किया जा रहा है, जहां पाकिस्तान से खतरा बना हुआ है।

वायुसेना और थलसेना दोनों को मिली नई वायु रक्षा ताकत- भारतीय वायुसेना ने भी इसी प्रकार के इन्फ्रारेड आधारित VSHORADS मिसाइलों की खरीद का फैसला किया है।

हमें सहयोगियों की जरूरत, उपदेश देने वालों की नहीं, पाकिस्तान से बढ़ते तनाव के बीच आखिर किस पर भड़के जयशंकर?

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में तनाव का माहौल है। दोनों देश युद्ध की कगार पर आ खड़े हुए हैं। भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई बड़े एक्शन लिए हैं।

इस बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यूरोप समेत पूरी दुनिया को एक सीधा और साफ संदेश दिया है। विदेश मंत्री ने एक कार्यक्रम में कहा कि भारत सहयोगियों की तलाश में है। हमें सहयोगी चाहिए केवल उपदेश देने वाले लोग नहीं चाहिए। उन्होंने कहा ऐसे लोगों की कोई आवश्यकता नहीं है जिनके कहने और करने में फर्क हो।

यूरोप पर क्यों भड़के विदेश मंत्री- विदेश मंत्री एस जयंशकर ने एक कार्यक्रम में कहा कि भारत ऐसे देशों के साथ काम करना चाहता है जो आपसी सम्मान और समझ दिखाएं। विदेश मंत्री ने यूरोप पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कुछ यूरोपीय देश अभी भी अपने मूल्यों और कार्यों के बीच के अंतर से जूझ रहे हैं।

जयशंकर ने कहा कि मुझे लगता है कि आज के अमेरिका के साथ जुड़ने का सबसे अच्छा तरीका हितों की पारस्परिकता खोजना है, न कि वैचारिक मतभेदों को सामने रखना और फिर इसे साथ मिलकर काम करने की संभावनाओं को धुंधला होने देना। यूरोप से भारत की अपेक्षाओं के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में जयशंकर ने कहा कि उसे उपदेश देने से आगे बढ़कर पारस्परिकता के ढांचे के आधार पर काम करना शुरू करना होगा। उन्होंने कहा, ÷जब हम दुनिया को देखते हैं, तो हम भागीदारों की तलाश करते हैं; हम उपदेशकों की तलाश नहीं करते, खासकर ऐसे उपदेशकों की जो घर पर अभ्यास नहीं करते और विदेश में उपदेश देते हैं।

एक्सिस, ICICI समेत 5 बैंकों पर RBI का एक्शन, अब चुकाना होगा लाखों का जुर्माना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को कई बड़े बैंकों पर जुर्माना लगा दिया। इस लिस्ट में आईसीआईसीआई बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और एक्सिस बैंक समेत पांच बैंकों के नाम शामिल है। इन बैंकों पर नियमों का सही तरीके से पालन न करने का आरोप लगा है।

क्यों लगा जुर्माना- RBI ने आईसीआईसीआई बैंक पर 97.20 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। RBI ने अपने आदेश में बताया कि यह बैंक साइबर सुरक्षा ढांचे, केवाईसी, क्रेडिट और डेबिट कार्ड पर कुछ निर्देशों का पालन नहीं कर रहे थे, जिसके कारण RBI ने बैंकों पर फाइन लगाया है। इसी कड़ी में बैंक ऑफ बड़ौदा पर आरोप है कि वित्तीय सेवाओं और बैंक में मौजूद ग्राहक सेवा काउंटर पर जारी किए गए निर्देशों का पालन नहीं हो रहा था। इसलिए RBI ने बैंक ऑफ बड़ौदा पर 61.40 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है।

आडीबीआई बैंक पर 31.8 लाख का जुर्माना- आडीबीआई बैंक ने किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से कृषि और संबद्ध गतिविधियों के लिए दिए गए अल्पकालिक लोन पर ब्याज सहायता से जुड़े निर्देशों का पालन नहीं किया है। ऐसे में RBI ने आईडीबीआई पर 31.8 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र पर 31.80 लाख का जुर्माना - इसके अलावा बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने केवाईसी से संबंधित निर्देशों का पालन नहीं किया है, जिसके चलते उस पर 31.80 लाख रुपए का जुर्माना लगा है।

कोझिकोड में सड़क हादसा देख प्रियंका गांधी ने रुकवाया काफिला, घायलों की तुरंत की मदद

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने शनिवार रात केरल के ईंगप्पुझा इलाके में एक सड़क हादसा होते देखा, तो उन्होंने तुरंत अपना काफिला रुकवा दिया। उन्होंने अपने काफिले में मौजूद डॉक्टर को मौके पर बुलाया और घायलों का प्राथमिक इलाज करवाया। इसके बाद उन्होंने एंबुलेंस में मौजूद मेडिकल टीम को निर्देश दिया कि घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया जाए।

घायलों को देख तुरंत रुकीं प्रियंका - यह हादसा कोझिकोड जिले में हुआ, जब कोयिलांडी निवासी नौशाद और उनके परिवार की कार की टक्कर एक दूसरी कार से हो गई।

LoC पर तनाव के बीच पीएम मोदी ने एयर चीफ मार्शल के साथ की बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के माहौल में वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।

यह जानकारी समाचार एजेंसी एएनआई ने सूत्रों के हवाले से दी है। यह मुलाकात ऐसे समय पर हुई है जब देश भर में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लगातार उच्चस्तरीय बैठकें हो रही हैं।

इससे पहले नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने शनिवार को दिल्ली स्थित प्रधानमंत्री आवास लोक कल्याण मार्ग पर पीएम मोदी से मुलाकात की थी। माना जा रहा है कि इन बैठकों में पाकिस्तान से जुड़े आतंकी खतरे और सेना की तैयारियों की समीक्षा की जा रही है।

वायुसेना प्रमुख की यह मुलाकात प्रधानमंत्री द्वारा बुलाई गई एक उच्च स्तरीय बैठक के कुछ दिनों बाद हुई है, जिसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, तीनों सेनाओं के प्रमुख और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल भी शामिल हुए थे। यह बैठक देश की सुरक्षा स्थिति की गहराई से समीक्षा के लिए बुलाई गई थी।

इसके अलावा, कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी की भी एक अहम बैठक पहलगाम हमले के अगले दिन हुई थी। इस हमले में 26 लोगों की जान गई थी, जिनमें ज़्यादातर पर्यटक थे। सरकार ने साफ कर दिया है कि भारत आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक जवाब देने के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री मोदी और सुरक्षा अधिकारियों ने कहा है कि जो आतंकी इस हमले के लिए जिम्मेदार हैं और जो उनके पीछे हैं, उन्हें कड़ी सजा दी जाएगी।

सरकार ने सेना को पूरी छूट दी है कि वे कब, कैसे और किस तरह से जवाबी कार्रवाई करें, इसका फैसला खुद लें। इसके अलावा, पहलगाम आतंकी हमले के बाद सरकार ने सर्वदलीय बैठक भी बुलाई थी, जिसमें सभी विपक्षी दलों ने सरकार को आतंक के खिलाफ उठाए जाने वाले हर कदम में पूर्ण समर्थन देने की बात कही।

CCS बैठक में यह भी बताया गया कि पहलगाम का हमला जम्मू-कश्मीर में चुनावों की सफलता और आर्थिक विकास की दिशा में हो रही प्रगति के बीच हुआ। यह हमला भारत की स्थिरता और लोकतंत्र को चुनौती देने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ अपना रुख और मजबूत करने के लिए सिंधु जल संधि को स्थगित करने जैसे कई अहम कदम उठाए हैं। ये सभी कदम पाकिस्तान को सख्त संदेश देने के मकसद से उठाए गए हैं, ताकि सीमा पार से हो रहे आतंकवाद को रोका जा सके।

युद्ध हुआ तो सिर्फ 4 दिन में घुटनों पर होगा Pak! पड़ोसी मुल्क के पास नहीं बचा गोला-बारूद

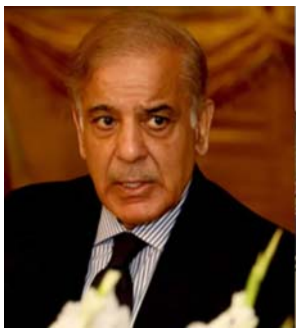

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान की सेना इन दिनों एक गंभीर गोला-बारूद संकट से जूझ रही है। समाचार एजेंसी एएनआई की रिपोर्ट के मुताबिक, सेना के पास सिर्फ 96 घंटे तक युद्ध लड़ने के लिए जरूरी गोला-बारूद बचा है। इसका मतलब है कि अगर कोई भी उच्च तीव्रता वाला युद्ध शुरू हो जाए, तो पाकिस्तान की सेना ज्यादा देर तक टिक नहीं पाएगी।

इस संकट की एक बड़ी वजह पाकिस्तान द्वारा हाल ही में यूक्रेन को भेजा गया हथियारों का जखीरा है। खास तौर पर 155द्धद्ध आर्टिलरी शेल्स की भारी मात्रा में आपूर्ति से पाकिस्तान के पास अपने भंडार खत्म हो गए हैं। ये गोले पाकिस्तान की आर्टिलरी-आधारित युद्ध नीति के लिए बेहद जरूरी हैं, जो अब सीधे तौर पर प्रभावित हो रही है।

पाकिस्तान की हथियार निर्माण कंपनी पाकिस्तान ऑर्डनेंस फैक्ट्री, जो सेना को गोला-बारूद उपलब्ध कराती है वो अब पुराने उपकरणों और सीमित उत्पादन क्षमता के कारण घरेलू मांग पूरी नहीं कर पा रही है। पीओएफ का दावा है कि उसकी प्राथमिकता घरेलू जरूरतें हैं, लेकिन वर्तमान हालात में वो असफल रही है।

एएनआई की रिपोर्ट के अनुसार, 2 मई को हुई कोर कमांडर्स की विशेष बैठक में इस गंभीर स्थिति पर चर्चा हुई। सेना के वरिष्ठ अधिकारी इस हालात को लेकर बेहद चिंतित हैं और कई हद तक असहज महसूस कर रहे हैं।

पूर्व सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा पहले ही पाकिस्तान की सीमित युद्ध क्षमता को लेकर चेतावनी दे चुके थे। उन्होंने आर्थिक और लॉजिस्टिक समस्याओं को प्रमुख वजह बताया था। पाकिस्तान की वर्तमान आर्थिक स्थिति, जिसमें महंगाई चरम पर है, कर्ज लगातार बढ़ रहा है और विदेशी मुद्रा भंडार गिर रहा है, इसने हालात और भी बिगाड़ दिए हैं।

इस संकट के कारण सेना को अपने प्रशिक्षण अभ्यासों को रद्द करना, राशन में कटौती करना और युद्धाभ्यास स्थगित करना पड़ा है क्योंकि ईंधन की भी भारी कमी है।

भारत-पाक तनाव में बढ़ोतरी- बढ़ते खतरे को देखते हुए पाकिस्तान ने भारत सीमा के पास नए गोला-बारूद डिपो बनाना शुरू किया है। लेकिन जानकारों का कहना है कि जब भरने के लिए गोला-बारूद ही नहीं है, तो इन डिपो का कोई रणनीतिक फायदा नहीं होगा।

एक रक्षा विशेषज्ञ ने एएनआई को बताया, पाकिस्तान ने अपने गोले दूसरे देशों के युद्ध में भेज दिए और खुद खाली हाथ रह गया। यह एक आर्थिक लाभ के लिए उठाया गया कदम था, जिसने दीर्घकालिक रणनीतिक नुकसान पहुंचाया है।

यह रिपोर्ट ऐसे समय में सामने आई है जब भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है, खासतौर पर 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद, जिसमें 26 लोग मारे गए थे, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे।

मोदी नहीं रुकेंगे, भाग जाऊंगा इंग्लैंड, पाकिस्तानी सांसद को सता रहा भारत का खौफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत लगातार पाकिस्तान पर शिकंजा कस रहा है। इस आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी। भारत ने सिंधु जल संधि निलंबित करने के बाद पाकिस्तान से होने वाले आयात पर रोक लगा दी है।

भारत ने पाक पर लिए ये एक्शन- इसके साथ ही भारत ने पाकिस्तानी झंडे वाले जहाजों के भारतीय बंदरगाहों पर आने पर प्रतिबंध लगा दिया है। इस बीच भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध की संभावना के बारे में अटकलें भी बढ़ने लगे हैं और युद्ध का डर पड़ोसी मुल्क में साफतौर से देखा जा सकता है।

इसी को लेकर पाकिस्तानी राजनीतिज्ञ शेर अफजल खान मारवात से पूछा गया कि वह इस मामले में क्या करेंगे, तो उन्होंने कहा कि युद्ध छिड़ा तो वे इंग्लैंड चले जाएंगे।

पाकिस्तानी नेशनल असेंबली के सदस्य मारवात से एक पत्रकार ने सवाल किया कि यदि भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध छिड़ जाता है, तो क्या वह लड़ेंगे? इसके जवाब में उन्होंने कहा, यदि युद्ध छिड़ता है तो मैं इंग्लैंड चला जाऊंगा।

मारवात का यह जवाब अब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है और सोशल मीडिया यूजर्स ने यहां तक कहा दिया कि पाकिस्तानी राजनेताओं को भी अपनी सेना पर भरोसा नहीं है। इसी वीडियो में एक पत्रकार ने उनसे सवाल किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दोनों देशों के बीच तनाव कम करने के लिए कहां संयम बरतना चाहिए? इसके जवाब में मारवात ने कहा, मोदी मेरे खाला के बेटे हैं जो मेरे कहने से पीछे हट जाएंगे?

इमरान खान की पार्टी के नेता रहे हैं मारवात- बता दें, शेर अफजल खान मारवात पाकिस्तान के एक वरिष्ठ नेता हैं और वे पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ से जुड़े थे। हालांकि, कई मौकों पर उन्होंने पार्टी और नेताओं की आलोचना की थी, जिसके बाद इमरान खान ने उन्हें पार्टी के प्रमुख पदों से हटा दिया था।

सिंगापुर में पीएम वोंग की पार्टी को प्रचंड बहुमत, 97 संसदीय सीटों में 87 सीटें जीतीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिंगापुर में लंबे समय से सत्तारूढ़ पीपुल्स एक्शन पार्टी (पीएपी) ने शनिवार को हुए आम चुनाव में 97 संसदीय सीटों में से 87 सीटें जीतकर प्रचंड बहुमत हासिल किया है और अब यह नई सरकार बनाएगी। यह पीएपी की लगातार 14वें चुनाव में निर्णायक जीत है। 2020 के चुनाव में इसने 83 सीटें जीती थीं।

पीएपी ने आम चुनाव में 97 संसदीय सीटों में 87 सीटें जीतीं- प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग और पीएपी ने वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं पर अमेरिकी व्यापार शुल्क के कारण उत्पन्न अनिश्चितताओं के बीच आम चुनाव में नया जनादेश मांगा था। पीएपी ने स्वतंत्रता के बाद से ही इस देश पर शासन किया है। अब इसे अगले पांच वर्षों के लिए फिर जनादेश मिल गया है।

चुनाव आयोग ने कहा कि सिंगापुर के लोगों ने भविष्य की राजनीति का फैसला करने के लिए 1,240 मतदान केंद्रों पर 97 संसदीय सीटों में से 92 के लिए अपने वोट डाले। देश में 27,58,846 पंजीकृत मतदाता हैं।

यह सिंगापुर का 19वां चुनाव है- 1948 में पहले आम चुनाव के बाद से यह सिंगापुर का 19वां चुनाव है और 1965 में स्वतंत्रता के बाद से 14वां चुनाव है।

ह्यूस्टन में फैमिली पार्टी के बीच अंधाधुंध फायरिंग, अनवांटेड गेस्ट की गोलीबारी में एक की मौत और 14 घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के ह्यूस्टन शहर में रविवार तड़के एक पारिवारिक पार्टी के दौरान गोलीबारी हुई, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और 14 लोगों तक के घायल होने की आशंका जताई जा रही है। यह घटना रविवार तड़के करीब 12ः50 बजे दक्षिण-पूर्व ह्यूस्टन के चेरी हिल के 6000 ब्लॉक में हुई।

ह्यूस्टन पुलिस विभाग को फायरिंग की सूचना मिलते ही कुछ ही मिनटों में अधिकारी मौके पर पहुंच गए। पुलिस को मौके पर कई घायल लोग घर के अंदर और आसपास अलग-अलग जगहों पर मिले।

पार्टी में आए अनचाहे मेहमान ने चलाई गोली - पुलिस असिस्टेंट चीफ पैट्रीशिया कैंटू ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि यह घटना एक फैमिली पार्टी के दौरान हुई, जहां एक अनवांटेड गेस्ट को घर छोड़ने के लिए कहा गया। इसी व्यक्ति ने गोली चलाना शुरू किया, जिसके बाद कुछ अन्य लोगों ने जवाबी फायरिंग की।

ह्यूस्टन फायर डिपार्टमेंट भी मौके पर पहुंचा और एक व्यक्ति की मौत की पुष्टि की। कैंटू के मुताबिक, कई घायल लोग गंभीर हालत में इलाज के लिए अस्पतालों में भर्ती हैं, जबकि कुछ घायलों ने खुद ही पास के अस्पतालों तक पहुंचकर इलाज कराया।

दुनिया के 5वें सबसे अमीर व्यक्ति वॉरेन बफेट ने लिया बड़ा फैसल; अरबपति ने कहा- अब समय आ गया...

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के सबसे सफल निवेशकों में शुमार और दुनिया के पांचवे सबसे अमीर व्यक्ति वॉरेन बफेट ने शनिवार को घोषणा की कि वह इस साल के अंत तक बर्कशायर हैथवे के सीईओ पद से सेवानिवृत्त हो जाएंगे। यह घोषणा उन्होंने ओमाहा, नेब्रास्का में कंपनी की वार्षिक शेयरधारक बैठक के दौरान की।

बफेट ने बताया कि उनके उत्तराधिकारी ग्रेग एबल होंगे, जो अभी बर्कशायर के नॉन-इंश्योरेंस बिज़नेस के वाइस चेयरमैन हैं। हालांकि एबल को खुद भी इस घोषणा की उम्मीद नहीं थी।

वॉरेन बफेट ने अपने बिजनेस पार्टनर चार्ली मंगर उनके साथ मिलकर बर्कशायर हैथवे को 1.16 ट्रिलियन डॉलर से अधिक मूल्य की कंपनी में बदला। उन्होंने बीते छह दशकों में कई कंपनियों और स्टॉक्स में निवेश कर इसे अमेरिका की आर्थिक तस्वीर जैसा बना दिया।

बफेट ने बहुत कम उम्र में पैसे मैनेज करना शुरू किया और वे बेंजामिन ग्राहम के निवेश सिद्धांतों के अनुयायी रहे। उन्होंने अपने Buffett Partnership Ltd. के जरिए बर्कशायर के शेयर खरीदे और फिर 1965 में कंपनी पर नियंत्रण हासिल किया। तब यह कंपनी एक घाटे में चल रही टेक्सटाइल फर्म थी, जिसे उन्होंने समय के साथ एक विशाल समूह में बदला। 2009 में जब बफेट ने BNSF रेलवे को 26 अरब डॉलर में खरीदा, तो उन्होंने इसे अमेरिका के आर्थिक भविष्य पर एक ऑल-इन दांव बताया। उनका मानना था कि अमेरिका की उत्पादकता और संभावनाएं कंपनी की सफलता की कुंजी हैं।

उन्होंने अपने 2015 के पत्र में लिखा, दुनिया बर्कशायर के लिए अवसरों से भरी है, जो बाकी कंपनियों को शायद ही मिलें। उनके अनुसार अमेरिका का प्रति व्यक्ति उत्पादन उनके जीवनकाल में छह गुना बढ़ा।

भारत के एक्शन से पाक में खलबली! आधी रात आदेश जारी कर राष्ट्रपति ने बुलाया संसद का आपात सत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से भारत लगातार पाकिस्तान पर शिकंजा कस रहा है। भारत ने अपने कई कड़े कदम के जरिए पाकिस्तान पर एक्शन लिया है।

इस बीच पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने शनिवार को आधी रात बड़ा फैसला लेते हुए सोमवार को शाम 5 बजे संसद का आपात सत्र बुलाया है।

पाकिस्तान सरकार की ओर से जारी आधिकारी बयान के अनुसार, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ पाकिस्तान के संविधान के अनुच्छेद 54 की धार (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति ने संसद भवन इस्लामाबाद में सोमवार 5 मई को शाम 5 बजे राष्ट्रीय असेंबली की बैठक आहूत की है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, पाकिस्तानी राष्ट्रपति द्वारा बुलाए गए विशेष सत्र में पाकिस्तान और भारत के बीच बिगड़ते राजनयिक संबंधों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इस बैठक का मुख्य मुद्दा भारत द्वारा सिंधु जल संधि के निलंबन के फैसले पर ज्यादा जोर दिया जाएगा। पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार, पाक की शहबाज सरकार पहलगाम हमले के बाद से भारत द्वारा की गई कार्रवाई के जवाब में नेशनल असेंबली की कार्यवाही के दौरान एक कड़ी निंदा प्रस्ताव पेश करने की तैयारी में है।

सिंधु पर बांध बना तो करेंगे हमला, पाक मंत्री ने फिर दी गीदड़ भभकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की ओर से उठाए गए सख्त कदमों से पस्त पाकिस्तान ने फिर गीदड़ भभकी दी है।

भारत ने सिंधु जल समझौते को रोक दिया- पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा है कि यदि सिंधु जल समझौते का उल्लंघन करते हुए सिंधु नदी पर कोई भी ढांचा बनाया गया तो पाकिस्तान उस पर हमला कर उसे ध्वस्त कर देगा। पाक समर्थित आतंकियों की ओर से किए गए इस हमले के बाद भारत ने सिंधु जल समझौते को रोक दिया था।

रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कही ये बात- जियो न्यूज के एक में आसिफ ने कहा- यदि वे सिंधु नदी पर किसी भी प्रकार का ढांचा बनाने का प्रयास करते हैं तो हम उस पर हमला करेंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि सिंधु नदी पर कोई भी ढांचा बनाने को पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय आक्रामकता के रूप में माना जाएगा।

सिंधु पर बांध लोगों को करेगा परेशान - आसिफ ने कहा कि आक्रामकता केवल तोपों या गोलियों से ही नहीं होती बल्कि इसके कई रूप होते हैं, जैसे पानी को रोकना या मोड़ना। यह प्यास से मौतों का कारण बन सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान इस मामले को आगे बढ़ाने के लिए उपलब्ध फोरम का इस्तेमाल करेगा।

भारत के एक्शन से तिलमिलाया पाकिस्तान, भारतीय जहाजों की एंट्री पर लगाया पूर्ण प्रतिबंध

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते दिन भारत ने पाकिस्तान से आने वाले सभी सामानों पर रोक लगा दी थी। इसके साथ ही भारत ने अपने बंदरगाहों पर पाकिस्तानी जहाजों की एंट्री भी बैन कर दी है। वहीं, अब प्रतिक्रिया स्वरूप पाकिस्तान ने भी भारतीय जहाजों पर रोक लगा दी है।

भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय ने शनिवार को आदेश जारी करते हुए कहा था कि पाकिस्तान से कोई भी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष आयात भारत में नहीं किया जाएगा। इसके बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान के झंडे वाले जहाजों की एंट्री पर भी पाबंदी लगा दी।

पाकिस्तान सरकार का आदेश - पाकिस्तान शनिवार की देर रात आदेश जारी करते हुए कहा कि- भारतीय झंडे वाले किसी भी जहाज को पाकिस्तान में दाखिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

तत्काल प्रभाव से लागू- पाकिस्तानी अखबारों के अनुसार, पाकिस्तानी सरकार ने तत्काल प्रभाव से यह आदेश जारी करने लागू करने के लिए कहा है। अखबार ने लिखा कि पाकिस्तान सरकार का मानना है कि भारत के साथ हालिया स्थिति के मद्देनजर राष्ट्रीय हित की सुरक्षा और आर्थिक हितों के लिए यह निर्णय लेना अनिवार्य है।

बंदरगाहों और शिपिंग विंग को नोटिस जारी - पाकिस्तान के डॉन अखबार ने बताया कि पाकिस्तान के समुद्री मामलों के मंत्रालय ने शनिवार की देर रात सभी बंदरगाहों और शिपिंग विंग के लिए आदेश जारी किया है। इस आदेश में उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी झंडे वाला कोई भी जहाज भारत में नहीं जाएगा और न ही भारतीय झंडे वाला कोई विमान पाकिस्तान में दाखिल होगा।

मणिपुर में मैतेयी और कुकी संघर्ष के दो वर्ष पूरे...

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर में हिंसा के कारण विस्थापित हुए हजारों लोग अब भी घर वापसी के इंतजार में हैं। उन्हें राहत शिविरों में रहना पड़ रहा है। दो वर्ष पहले मणिपुर में हुए जातीय संघर्ष का विनाशकारी प्रभाव वे अभी भी महसूस कर रहे हैं।

70 हजार से अधिक लोग विस्थापित- गौरतलब है कि तीन मई 2023 को मैतेयी और कुकी-जो समुदाय में जातीय हिंसा भड़कने के बाद से 260 से अधिक लोग मारे गए, 1,500 घायल हुए और 70 हजार से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं।

वहीं मणिपुर में जातीय संघर्ष के दो वर्ष पूरे होने पर शनिवार को राज्यव्यापी बंद रखा गया। बंद से पूरे राज्य में जनजीवन ठप हो गया। मैतेयी ग्रुप कार्डिनेटिंग कमेटी आन मणिपुर इंटीग्रिटी (सीओसीओएमआइ) ने घाटी के जिलों में बंद का आह्वान किया था, जबकि जोमी स्टूडेंट्स फेडरेशन (जेडएसएफ) और कुकी स्टूडेंट्स आर्गनाइजेशन (केएसओ) ने पहाड़ी जिलों में बंद रखा।

पूरे राज्य में बाजार बंद रहे, सार्वजनिक वाहन सड़कों से नदारद रहे और निजी कार्यालय बंद रहे। स्कूल, कालेज और अन्य संस्थान भी बंद कर दिए गए। प्रमुख स्थानों पर सुरक्षा बलों को भी तैनात किया गया।

इजरायल में लैंड करने वाली थी एयर इंडिया की फ्लाइट, तभी यमन ने दाग दी मिसाइल

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली से इजरायल के शहर तेल अवीव जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट को अबू धाबी की ओर मोड़ दिया गया। दरअसल फ्लाइट की लैंडिंग से कुछ ही देर पहले तेल अवीव में एयरपोर्ट के पास मिसाइल से हमला हुआ था। बताया जा रहा है कि हमला यमन की तरफ से किया गया। तेल अवीव पर एयर इंडिया की फ्लाइट-ढ्ढ139 की लैंडिंग में 1 घंटे से भी कम समय बचा था। तभी एयरपोर्ट के पास यमन द्वारा प्रक्षेपित मिसाइल आ गिरी। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट Flightradarwy.com पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, जब उड़ान को अबू धाबी की ओर मोड़ने का फैसला किया गया, तब वह जॉर्डन के हवाई क्षेत्र में थी। मिसाइल हमले के कारण तेल अवीव से दिल्ली जाने वाली एयर इंडिया की उड़ान रविवार को रद्द कर दी गई है।

एयर इंडिया की ओर से बयान जारी किया गया है। यमन से प्रक्षेपित की गई एक मिसाइल के तेल अवीव हवाई अड्डे के पास दागे जाने के बाद तेल अवीव हवाई अड्डे के लिए हवाई यातायात कुछ समय के लिए निलंबित कर दिया गया था। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा, 4 मई 2025 को दिल्ली से तेल अवीव जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट-ढ्ढ139 को आज सुबह बेन गुरियन एयरपोर्ट पर हुई घटना के बाद अबू धाबी की ओर मोड़ दिया गया। फ्लाइट अबू धाबी में सामान्य रूप से उतरी है और जल्द ही दिल्ली वापस लौटेगी।

मिजोरम में बांग्लादेशी मूल के दो अमेरिकी नागरिक गिरफ्तार, बना रहे थे खतरनाक प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। मिज़ोरम की राजधानी आइजोल में शनिवार को एक बड़ी कार्रवाई के तहत दो बांग्लादेशी मूल के अमेरिकी नागरिकों को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्हें मिज़ोरम के लेंगपुई हवाई अड्डे से पकड़ा गया और फिर राज्य से डिपोर्ट कर दिया गया।

खुफिया एजेंसियों को जानकारी मिली थी कि ये लोग मिज़ोरम में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन KNA/F के नेताओं से मिलने की योजना बना रहे थे।

2 मई को टूरिस्ट वीजा पर आए थे आइजोल - एनडीटीवी के मुताबिक, चार अमेरिकी नागरिकों के मिज़ोरम आने की जानकारी पहले से ही एजेंसियों को थी। ये सभी लोग 2 मई को टूरिस्ट वीजा पर आइजोल पहुंचे थे। इनमें से दो की पहचान चेकुन और सैरोन के रूप में हुई है, जबकि बाकी दो के नाम अभी सामने नहीं आए हैं।

आइजोल पहुंचने के बाद इन चारों की योजना थी कि वे KNA/F के नेताओं से मिलें, जिसमें संगठन के संस्थापक नाथन लॉनचो बाउम का नाम प्रमुख है। बाउम फिलहाल फरार हैं और उसका ठिकाना अज्ञात है।

नाथन लॉनचो बाउम कुकी-चिन नेशनल फ्रंट और उसकी सशस्त्र शाखा कुकी-चिन नेशनल आर्मी के संस्थापक हैं। यह संगठन बांग्लादेश के चटगांव हिल ट्रैक्ट्स इलाके में सक्रिय है और अलगाववादी गतिविधियों में लिप्त रहा है। KNA/F को लेकर भारतीय एजेंसियों की सतर्कता इसलिए भी बढ़ी है क्योंकि इस संगठन की गतिविधियां भारत-बांग्लादेश सीमा क्षेत्र में भी असर डाल रही हैं।

चारों अमेरिकी नागरिकों की योजना थी कि वे आइजोल से लॉन्गतलाई ज़िले की ओर बढ़ें और भारत-बांग्लादेश सीमा के पास स्थित बाउम समुदाय के शरणार्थी शिविरों का दौरा करें।

एनडीटीवी के अनुसार, कम से कम दो बांग्लादेशी मूल के अमेरिकी नागरिक पहले भी KNA/F के गठन और विस्तार में सक्रिय भूमिका निभा चुके हैं। इन लोगों पर लंबे समय से संदेह था कि वे संगठन की गतिविधियों को आर्थिक और वैचारिक समर्थन दे रहे हैं।

बूंद-बूंद के लिए तरसेगा पाक! सिंधु समझौते के बाद भारत का एक और कड़ा कदम; अब बगलिहार बांध से रोका चिनाब नदी का पानी

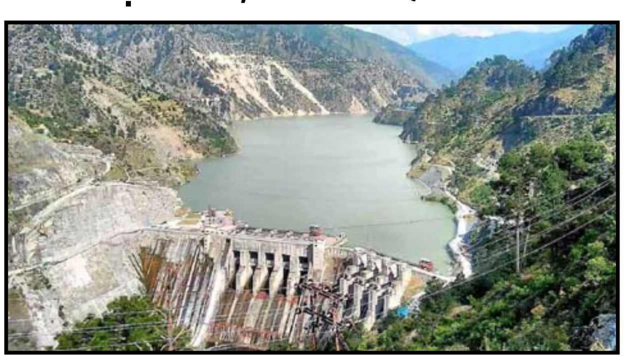

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम हमले के बाद भारत सरकार ने सिंधु जल समझौता रद्द कर दिया था। वहीं अब, इस तरफ पहला कदम उठाते हुए बगलिहार बांध का पानी रोक दिया गया है। सूत्रों के अनुसार सरकार ने चिनाब नदी पर बने बगलिहार बांध का पानी बंद कर दिया है। सरकार जल्द ही झेलम नदी पर बने किशनगंगा बांध का पानी रोकने की भी योजना बना रही है।

पानी का बहाव रोकेगा भारत- सिंधु जल समझौता रद्द होने के बाद भारत सरकार पाकिस्तान में पानी के बहाव कंट्रोल कर सकती है। जम्मू कश्मीर के रामबन में बना बगलिहार बांध और उत्तरी कश्मीर में बना किशनगंगा बांध की मदद से भारत सरकार जब चाहे पानी का बहाव रोक सकती है और किसी भी समय बांध खोल सकती है।बगलिहार और किशनगंगा बांध बंद करके भारत झेलम और चिनाब नदी का बहाव कम कर सकता है। इससे पाकिस्तान में सूखा पड़ने के आसार रहेंगे। यही नहीं, भारत किसी भी समय बांध को खोल भी सकता है, जिससे पाकिस्तान में बाढ़ आने की संभावना बनी रहेगी।

पहलगाम हमले का रिएक्शन- बता दें कि 22 अप्रैल 2025 को जम्मू कश्मीर के पहलगाम स्थित बैसरन घाटी पर हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद ही भारत सरकार ने पाकिस्तान के साथ सिंधु जल समझौता रद्द कर दिया था।

क्या था सिंधु जल समझौता- सिंधु जल समझौता 1960 में विश्व बैंक की मध्यस्थता में भारत और पाकिस्तान के बीच हुआ था। इस समझौते के तहत ऊपर की तीन नदियों - सिंधु, चिनाब और झेलम का पानी पाकिस्तान को मिलना था और नीचे की तीन नदियों - रावि, ब्यास और सतलज का पानी भारत इस्तेमाल कर सकता था।

बदला पूरा होने तक नहीं लूंगा कोई..., पहलगाम हमले के विरोध में केंद्रीय मंत्री सीआर पाटिल ने लिया प्रण

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम हमले के बाद सभी नजरें भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर है। कई बड़े नेता केंद्र सरकार से पाकिस्तान को करारा जवाब देने की मांग कर चुके हैं। वहीं अब केंद्रीय मंत्री सीआर पाटिल ने सूरत में एक कार्यक्रम के दौरान गुलदस्ता लेने से इनकार कर दिया। उनका कहना है कि जब तक पहलगाम हमले का बदला नहीं लिया जाएगा, तब तक स्वागत में दिए गए गुलदस्ते स्वीकार नहीं करेंगे।

केंद्रीय मंत्री और जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल शनिवार को गुजरात के सूरत में आयोजित इंवेस्टर्स कॉन्फ्रेंस में पहुंचे थे। इस दौरान जब उन्हें स्वागत में गुलदस्ता दिया जाने लगा तो उन्होंने इसे लेने से मना कर दिया। साथ ही उन्होंने कोई स्मृति चिन्ह भी स्वीकार नहीं किया।

केंद्रीय मंत्री के इस फैसले की घोषणा कार्यक्रम के आयोजकों ने की। उन्होंने मंच से इसका एलान करते हुए कहा कि जल शक्ति मंत्री ने तय किया है कि जब तक पहलगाम हमले का बदला पूरा नहीं होगा वो स्वागत में गुलदस्ते और कोई भी स्मृति चिन्ह नहीं लेंगे। यह सुनकर दर्शक भी जोर-जोर से तालियां बजाने लगे।

बता दें कि पहलगाम हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान के साथ सिंधु जल समझौता रद्द कर दिया था। जिस पर प्रतिक्रिया देते हुए जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने कहा था कि भारत को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि पाकिस्तान को एक भी बूंद पानी न मिले।

सिंधु जल समझौता रद्द करने का समर्थन- एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए उन्होंने कहा था कि सिंधु जल समझौते को लेकर मोदी सरकार का यह ऐतिहासिक फैसला पूरी तरह से सही और राष्ट्रीय हित में है। हम सुनिश्चित करेंगे कि पाकिस्तान में सिंधु नदी का 1 भी बूंद पानी न जाए।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
हिन्दकुश मीडिया
jagrayam.com
online news magazine
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 कृष्ण अष्टमी

संपादकीय

जातिगत जनगणना एक ऐसा विषय है जो राजनीतिक परिदृश्य में लंबे समय से चर्चा का केंद्र रहा है

जातिगत जनगणना एक ऐसा विषय है जो भारत के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिदृश्य में लंबे समय से चर्चा का केंद्र रहा है। यह न केवल सामाजिक संरचना को समझने का एक उपकरण है, बल्कि नीति निर्माण और संसाधन वितरण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। जातिगत जनगणना को एक ऐसे उपकरण के रूप में देखा जाना चाहिए जो सामाजिक न्याय को बढ़ावा दे, न कि समाज को विभाजित करे। यदि इसे सावधानीपूर्वक और जिम्मेदारी के साथ लागू किया जाए, तो यह भारत को एक अधिक समावेशी और न्यायपूर्ण समाज की ओर ले जा सकता है।

जातिगत जनगणना का इतिहास-जातिगत जनगणना का इतिहास भारत में औपनिवेशिक काल से शुरू होता है। भारत में पहली बार व्यापक जनगणना 1881 में ब्रिटिश शासन के तहत आयोजित की गई थी, जिसमें जाति के आधार पर भी आंकड़े एकत्र किए गए। यह प्रक्रिया 1931 तक नियमित रूप से हर दस साल में दोहराई गई। 1931 की जनगणना में विभिन्न जातियों और उपजातियों की विस्तृत जानकारी प्रकाशित की गई, जो आज भी कई नीतियों और आरक्षण प्रणालियों के लिए आधारभूत डेटा के रूप में उपयोग की जाती है। उदाहरण के लिए, 1931 के आंकड़ों के आधार पर ही मंडल आयोग ने 1980 में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण की सिफारिश की थी।

1941 की जनगणना में भी जाति आधारित आंकड़े एकत्र किए गए, लेकिन द्वितीय विश्व युद्ध और अन्य प्रशासनिक कारणों से इन्हें सार्वजनिक नहीं किया गया। आजादी के बाद, 1951 की जनगणना में भारत सरकार ने जातिगत आंकड़े एकत्र करने को बंद करने का निर्णय लिया। तत्कालीन गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल का मानना था कि जातिगत जनगणना सामाजिक एकता को नुकसान पहुंचा सकती है और राष्ट्रीय एकता के लिए यह हानिकारक हो सकती है। इस निर्णय के बाद, केवल अनुसूचित जाति (SC) और अनुसूचित जनजाति (ST) के आंकड़े एकत्र किए जाने लगे, जबकि अन्य जातियों के लिए कोई अलग डेटा संग्रह नहीं किया गया।

हालांकि, समय के साथ सामाजिक-आर्थिक असमानताओं को दूर करने और नीति निर्माण में सटीक डेटा की आवश्यकता ने जातिगत जनगणना की मांग को फिर से प्रबल किया। 2011 में, यूपीए सरकार ने सामाजिक- आर्थिक और जातिगत जनगणना आयोजित की, जो 1931 के बाद पहली बार जाति आधारित डेटा संग्रह का प्रयास था। लेकिन इस सर्वेक्षण के आंकड़े पूरी तरह सार्वजनिक नहीं किए गए, और इसकी विश्वसनीयता पर भी सवाल उठे। हाल के वर्षों में, विशेष रूप से बिहार में 2023 में आयोजित जाति आधारित सर्वेक्षण ने इस मुद्दे को फिर से राष्ट्रीय चर्चा में ला दिया। बिहार सरकार ने इस सर्वेक्षण को दो चरणों में पूरा किया, जिसमें पहले चरण में घरों की गिनती और दूसरे चरण में जातियों के आंकड़े एकत्र किए गए। केंद्र सरकार ने शुरू में इस सर्वेक्षण का विरोध किया, लेकिन बाद में इसे वापस ले लिया। 2025 में, केंद्र सरकार ने घोषणा की कि अगली राष्ट्रीय जनगणना में जाति आधारित आंकड़े भी शामिल किए जाएंगे, जिसे कैबिनेट कमेटी ऑन पॉलिटिकल अफेयर्स ने मंजूरी दे दी है। जातिगत जनगणना के समर्थक इसे सामाजिक न्याय और समावेशी विकास का एक महत्वपूर्ण उपकरण मानते हैं। जातिगत जनगणना से विभिन्न जाति समूहों की शिक्षा, रोजगार, आय और संपत्ति के वितरण में असमानताओं का सटीक आकलन किया जा सकता है।

होशियार सिंह

कर्नल होशियार सिंह परमवीर चक्र से सम्मानित भारतीय व्यक्ति है। इन्हें यह सम्मानस-1971 में मिला। वर्ष 1971 के भारत पाकिस्तान युद्ध ने भारत के दो बहादुर सिपाहियों को परमवीर चक्र का हकदार बनाया। एक तो पूना हॉर्स के सेकेण्ड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल जिन्होंने अपने प्राण गँवा कर सबसे कम उम्र के परमवीर चक्र विजेता का सम्मान प्राप्त किया, दूसरे मेजर होशियार सिंह जिन्होंने 3 ग्रेनेडियर्स की अगुवाई करते हुए अपना अद्भुत पराक्रम दिखाया और दुश्मन को पराजय का मुँह देखना पड़ा। उन्होंने जम्मू कश्मीर की दूसरी ओर, शकरगड़ के पसारी क्षेत्र में जरवाल का मोर्चा फ़तह किया था।

जीवन परिचय

होशियार सिंह का जन्म 5 मई, 1936 को सोनीपत, हरियाणा के एक गाँव सिसाना में हुआ था। उनकी प्रारंभिक स्कूली शिक्षा स्थानीय हाई स्कूल में तथा उसके बाद जाट सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में हुई। वह एक मेधावी छात्र थे। उन्होंने मेट्रिकुलेशन की परीक्षा प्रथम श्रेणी में पास की थी। पढ़ाई के साथ-साथ वह खेल कूद में भी आगे रहते थे। होशियार सिंह पहले राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के लिए बॉलीबाल की पंजाब कंबाइंड टीम के लिए चुने गए और वह टीम फिर राष्ट्रीय टीम चुन ली गई जिसके कैप्टन होशियार सिंह थे। इस टीम का एक मैच जाट रेजिमैटल सेंटर के एक उच्च अधिकारी ने देखा और होशियार सिंह उनकी नजरों में आ गए। इस तरह होशियार सिंह के फौज में आने की भूमिका बनी। 1957 में उन्होंने 2 जाट रेजिमेंट में प्रवेश लिया बाद में वह 3 ग्रेनेडियर्स में कमीशन लेकर अफसर बन गए। 1971 के युद्ध के पहले, होशियार सिंह ने 1965 में भी पाकिस्तान के खिलाफ़ लड़ते हुए अपना करिश्मा दिखाया था। बीकानेर सेक्टर में अपने क्षेत्र में आक्रमण पेट्रोलिंग करते हुए उन्होंने ऐसी महत्वपूर्ण सूचना लाकर सौंपी थी, जिसके कारण बटालियन की फ़तह आसानी से हो गई थी और इसके लिए उनका उल्लेख मैंशंड इस डिस्पैचेज़ में हुआ था। फिर, 1971 का युद्ध तो उनके लिए निर्णायक युद्ध था जिसमें उन्हें देश का सबसे बड़ा सम्मान प्राप्त हुआ।

भारत-पाकिस्तान युद्ध

स्वतन्त्र भारत ने अब तक पाँच युद्ध लड़े जिनमें से चार में उसका सामना पाकिस्तान से हुआ। यह युद्ध शुरू भले ही पाकिस्तान ने किया हो, उनका समापन भारत ने किया और विजय का सेहरा उसी के सिर बँधा। इन चार युद्धों में एक युद्ध जो 1971 में लड़ा गया वह महत्वपूर्ण कहा जा सकता है क्योंकि इस लड़ाई ने पाकिस्तान को पराजित करके एक ऐसे नए राष्ट्र का उदय किया, जो पाकिस्तान का हिस्सा था और वर्षों से पश्चिम पाकिस्तान की फौजी सत्ता का अन्याय सह रहा था। वही हिस्सा, पूर्वी पाकिस्तान, 1971 के युद्ध के बाद बांग्लादेश बना। जब से पाकिस्तान बना, तब से पश्चिम पाकिस्तान सत्ता का केंद्र बना रहा। वह मुस्लिम बहुल इलाका था। दूसरी ओर पूर्वी पाकिस्तान, पूर्वी बंगाल था जो विभाजन के बाद पाकिस्तान में आ गया था। यह हिस्सा बांग्ला भाषियों से भरा था। इस तरह पूर्वी और पश्चिमी पाकिस्तान दो अलग-अलग भाषायों और संस्कृतियों का प्रतिनिधित्व करते थे। इसका नतीजा यह था कि पश्चिम पाकिस्तान की मुस्लिम बहुल सत्ता का व्यवहार, अपने ही देश के एक हिस्से से बेहद अन्यायपूर्णक तथा सौतेला होता था, भले ही देश का हिस्सा ख़ासा वैभव और सम्पदा सरकार को देता था। 7 अगस्त 1970 को हुए पाकिस्तान के चुनाव में जनमत का एक नया चेहरा से सामने आया, जिसमें शेख मुजीबुर्रहमान की पार्टी अवामी लीग ने बेहद भारी बहुमत से जीत हासिल की। स्थिति यह बनी कि आवामी लीग की सरकार सत्ता में आ जाए। इस बात के लिए पश्चिम पाकिस्तान का शासन कतई तैयार नहीं था। उस समय जुल्फिकार अली भुट्टो प्रधानमंत्री थे, तथा याहना खान राष्ट्पति पद पर बैठे थे। बांग्ला बहुल अवामी लीग की सरकार बनने से रोकने के लिए इन दोनों ने नई विजेता असेंबली के गठन पर बंदिश लगा कर रोक दिया। उनके इस निर्णय से बांग्ला समुदाय में इतना असंतोष फैला कि उसने एक आन्दोलन का रूप ले लिया। 3 मार्च, 1971 को ढाका में, जो कि पूर्वी पाकिस्तान का गढ़ था, वहाँ कर्फ़्यू लगाया गया लेकिन उससे आन्दोलन पर कोई फर्क नहीं पड़ा। उस समय साहिबजादा खान लेफ्टिनेंट गर्वनर तथा मार्शल लॉ के प्रशासक थे, उन्हें हटाकर लेफ्टिनेंट जनरल टिक्का खाँ को लाया गया। टिक्का खाँ उस दौर में बर्बरता की हद कायम हुई और उन्हें बाम्ला देश का बूचर करार दिया गया। टिक्का खान ने ऑपरेशन ब्लिट्ज के नाम पर पूर्वी पाकिस्तान की बांग्ला भाषी जनता पर इतने जुर्म ढ़ाए, जिसकी मिसाल मिलनी मुश्किल है।

पाकिस्तान फौजें पूर्वी पाकिस्तान को गोलियों से भूनने लगीं। बमबारी से निहत्थे नागरिकों को तथा बांग्ला भाषी अर्ध सैनिक बलों को कुचला जाने लगा और हालत यह हो गई कि वहाँ से बांग्ला भाषी लोग भाग कर भारत में शरण पाने लगे। देखते-देखते लाखों शरणार्थी भारत की सीमा में घुस आए। उनके भोजन और आवास की जिम्मेदारी भारत पर आ गई। भारत ने जब पाकिस्तान से इस बारे में बात की, तो उसने इसे अपना अंदरूनी मामला बताते हुए भारत इससे अलग रहने को कहा, साथ ही शरणार्थियों की समस्या के बारे में पाकिस्तान ने हाथ झाड़ लिए। ऐसे में भारत के पास सिर्फ एक चारा था कि वह अपने सैन्य बल का प्रयोग करे जिससे पूर्वी पाकिस्तानी नागरिकों का वहाँ से भारत की ओर पलायन रुके। इस मजबूरी में भारत को उस सैनिक कार्रवाई में उतरना पड़ा जो अंततः भारत-पाक युद्ध में बदल गई।

होशियार सिंह का पराक्रम

इस युद्ध को भारत ने कई मोर्चों पर लड़ा जिसमें एक मोर्चे पर मेजर होशियार सिंह ने भी कमान संभाली। भारत की सैन्य दक्षता तथा शौर्य के आगे पाकिस्तान को घुटने टेकने पड़े और अंततः पूर्वी पाकिस्तान का हिस्सा समूचे पाकिस्तान से अलग होकर एक स्वतंत्र देश बन गए, जो बांग्लादेश कहलाया। इस युद्ध में भारत ने न केवल विजय हासिल की वरन् पूर्वी पाकिस्तान के निरीह, निहत्थे नागरिकों को बर्बरता का शिकार होने से भी बचाया। अब इसी युद्ध के मोर्चे की बात करें। शकरगढ़ पठार भारत और पाकिस्तान दोनों के लिए एक महत्वपूर्ण ठिकाना था। भारत अगर इस पर क़ब्ज़ा जमा लेता है, तो वह एक ओर जम्मू कश्मीर तथा उत्तरी पंजाब को सुरक्षित रख सकता है, दूसरी ओर पाकिस्तान के ठीक मर्मस्थल पर प्रहार कर सकता है। इसी तरह अगर पाकिस्तान इस पर क़ब्ज़ा रखे तो वह भारत के भीतर घुसता आ सकता है। जाहिर है कि यह बेहद मौके का ठिकाना था जिस पर दोनों ओर के सैनिकों की नजर थी। शकरगढ़ पठार का 900 किलोमीटर का वह संवदेनशील क्षेत्र पूरी तरह से प्राकृतिक बाधाओं से भरा हुआ था जिस पर दुश्मन ने टैंक भेदी बहुत सी बारूदी सुरंगें बिछाई हुई थीं। 14 दिसम्बर 1971 को 3 ग्रेनेडियर्स के कमांडिंग ऑफिसर को सुपवाल खाई पर ब्रिगेड का हमला करने के अदेश दिए गए। इस 3 ग्रेनेडियर्स को जरवाल तथा लोहाल गाँवों पर क़ब्ज़ा करना था। 15 दिसम्बर 1971 को दो कम्पनियाँ, जिनमें से एक का नेतृत्व मेजर होशियार सिंह संभाल रहे थे, हमले का पहला दौर लेकर आगे बढ़ीं। दोनों कम्पनियों ने अपनी फ़तह दुश्मन की भारी गोलाबारी, बमबारी तथा मशीनगन की बौछार के बावजूद हासिल कर ली। इन कम्पनियों ने दुश्मन के 20 जवानों को युद्ध बंदी बनाया और भारी मात्रा में हथियार और गोलाबारूद अपने कब्जे में ले लिया उन हथियारों में उन्हें मीडियम मशीनगन तथा रॉकेट लांचर्स मिले।

अगले दिन 16 दिसम्बर, 1971 को 3 ग्रेनेडियर्स को घमासान युद्ध का सामना करना पड़ा। पाकिस्तान जवाबी हमला करके अपना गँवाया हुआ क्षेत्र वापस पाने के लिए जूझ रहा था। उसके इस हमले में उसकी ओर से गोलीबारी तथा बमबारी में कोई कमी नहीं छूट रही थी। 3 ग्रेनेडियर्स का भी मनोबल ऊँचा था। वह पाकिस्तान द्वारा किए जा रहे जवाबी हमलों को नाकाम किए जा रहे थे। 17 दिसम्बर, 1971 को सूरज की पहली किरण के पहले ही दुश्मन की एक बटालियन ने बम और गौलीबारी से मेजर होशियार सिंह की कम्पनी पर फिर हमला किया। मेजर होशियार सिंह ने इस हमले का जवाब एकदम निडर होकर दिया और वह अपने जवानों को पूरे जोश से जूझने के लिए उकसाते रहे, उनका हौसला बढ़ाते रहे। हाँलाकि वह घायल हो गए थे, फिर भी वह एक खाई से दूसरी खाई तक जाते और अपने जवानों का हौसला बढ़ाते रहे।

हिंसा के कारण पाकिस्तान में न घरेलू निवेश हो रहा न विदेशी, लेकिन खूब बढ़ रहा अवैध व्यापार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान में अंतर्कलह और हिंसा इतनी है कि उसकी वजह से घरेलू निवेश तो कम हुआ ही, सुरक्षा कारणों से विदेशी निवेशक भी वहां जाने से कतराते हैं। वहां के उद्योग लगातार जर्जर होते जा रहे हैं। सालाना विदेशी निवेश दो अरब डॉलर से भी कम है और मैन्युफैक्चरिंग 50 अरब डॉलर की भी नहीं रह गई है। हालांकि अवैध व्यापार वहां फल-फूल रहा है। वर्ष 2025 के अवैध व्यापार इंडेक्स में 158 देशों की सूची में पाकिस्तान 101वें स्थान पर है।

आर्थिक आंकड़े उपलब्ध कराने वाली संस्था सीईआईसी के मुताबिक वर्ष 2024 की पहली छमाही को छोड़ दें तो जुलाई 2022 से अब तक पाकिस्तान का औद्योगिक उत्पादन इंडेक्स लगभग हर महीने निगेटिव रहा है, यानी औद्योगिक उत्पादन में गिरावट आई है। इसके विपरीत भारत के औद्योगिक उत्पादन में इस दौरान लगातार वृद्धि हुई है।

रिसर्च प्लेटफॉर्म मैक्रोट्रेंड्स के अनुसार वर्ष 2023 में पाकिस्तान में 45.94 अरब डॉलर की मैन्युफैक्चरिंग हुई थी। इस लिहाज से यह दुनिया में 37वें स्थान पर था। एक साल पहले 2022 में 51.58 अरब डॉलर का मैन्युफैक्चरिंग उत्पादन हुआ था, जो अब तक का रिकॉर्ड है। तुलनात्मक रूप से देखें तो भारत में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर का उत्पादन 2023 में 455.77 अरब डॉलर का था। चीन और जर्मनी के बाद भारत का स्थान तीसरा था।

एक तरफ बिजनेस में पाकिस्तान की यह हालत है तो दूसरी तरफ वहां अवैध व्यापार खूब होता है। वर्ष 2025 के अवैध व्यापार इंडेक्स में 158 देशों की सूची में वह 101वें स्थान पर है। पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ मार्केट इकोनॉमी और ट्रांसनेशनल अलायंस टू कॉम्बैट इलिसिट ट्रेड के अनुसार अवैध व्यापार से पाकिस्तान को हर साल लगभग 751 अरब रुपये (पाकिस्तानी करेंसी) का नुकसान होता है। सबसे अधिक नुकसान तंबाकू में 300 अरब रुपये, पेट्रोलियम उत्पादों में 270 अरब, टायर और लुब्रिकेंट्स में 106 अरब, फार्मा में 60-65 अरब और चाय में 10 अरब रुपये का होता है।

दिग्गज अरबपति ने किया अचानक रिटायरमेंट का ऐलान, इसे बनाया अपना उत्तराधिकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के दिग्गज अरबपति निवेशक और बर्कशायर हैथवे के चेयरमैन और सीईओ वॉरेन बफेट ने 94 साल की उम्र में रिटायरमेंट का ऐलान किया है। वॉरेन बफेट के इस अचानक लिए फैसले से उनके सबसे एंथुजियास्टिक फॉलोअर्स को भी आश्चर्यचकित कर दिया है। वॉरेन बफेट ने ऐलान किया है कि वे इस साल 2025 के अंत तक बर्कशायर हैथवे के सीईओ के पद से हट जाएंगे। बता दें कि अरबपति निवेशक लंबे समय से कह रहे थे कि उनके लिए रिटायरमेंट संभव ही नहीं है और अब करीबन छह दशक के अध्याय को बंद करने की घोषणा की। 94 साल के बफेट ने कहा, मुझे लगता है कि अब समय आ गया है जब ग्रेग (एबेल) को साल के अंत में कंपनी का मुख्य कार्यकारी अधिकारी बनना चाहिए। उन्होंने बिना किसी सवाल का जवाब दिए यह घोषणा की और बताया कि केवल दो बोर्ड मेंबर - उनके बच्चों हॉवर्ड और सूजी बफेट - को पहले से बताया गया था। यहां तक कि मंच पर उनके बगल में बैठे ग्रेग एबेल को भी कोई पहले से इसकी जानकारी नहीं थी। फोर्ब्स के रियल-टाइम डेटा के अनुसार, बफेट की कुल संपत्ति 168.2 बिलियन डॉलर है। एबेल वर्तमान में सभी नान इंश्योरेंस ऑपरेशन की देखरेख करने वाले वाइस प्रेसिडेंट हैं। एबेल ने कहा, मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि मैं बर्कशायर का हिस्सा बनकर बहुत ही विनम्र और सम्मानित महसूस कर रहा हूं, क्योंकि हम आगे बढ़ रहे हैं।

पेनी स्टॉक को लेकर आई है बड़ी खबर, पॉवर प्रोजेक्ट के लिए योगी सरकार से मिलाया हाथ, कीमत 70 रुपये से कम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाग्यनगर इंडिया लिमिटेड को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। कंपनी अपने सोलर प्रोजेक्ट्स पर बहुत तेजी के साथ आगे बढ़ रही है। कंपनी ने कंफर्म किया है कि उनकी सब्सडियरी Crescentia Technology Private Limited ने उत्तर प्रदेश न्यू एंड रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी के साथ पावर पर्चेज़ एग्रीमेंट किया है। यह एग्रीमेंट 25 सालों के लिए है। कंपनी को पीएम कुसुम योजना के तहत 11 सोलर प्रोजेक्ट्स मिले हैं। जिसकी कुल क्षमता 65.70 मेगावाट की है। इस प्रोजेक्ट के तहत भाग्यनगर इंडिया लिमिटेड को 230 करोड़ रुपये का निवेश करना होगा।

70 रुपये से कम की कीमत का है शेयर- शुक्रवार को भाग्यनगर इंडिया लिमिटेड के शेयर 2 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ 69.04 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। इस साल अबतक कंपनी के शेयरों का भाव 29 प्रतिशत गिरा है। वहीं, एक साल में स्टॉक का भाव 37 प्रतित टूट चुका है। भाग्यनगर इंडिया लिमिटेड का 52 वीक हाई 128.95 रुपये और 52 वीक लो लेवल 63.01 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 220 करोड़ रुपये का है।

बीते 5 साल में यह सोलर स्टॉक 359 प्रतिशत चढ़ चुका है। वहीं, इसी दौरान सेंसेक्स इंडेक्स में 138 प्रतिशत की तेजी आई है।

इस कंपनी ने पहली बार निवेशकों को डिविडेंड 2001 में दिया था। तब कंपनी की तरफ से एक शेयर पर 2 रुपये का डिविडेंड दिया गया था। आखिरी बार कंपनी 2015 में एक्स-डिविडेंड ट्रेड की थी। तब कंपनी की तरफ से हर शेयर पर 0.30 रुपये का डिविडेंड बांटा गया था। बता दें, बीएसई के डाटा के अनुसार कंपनी ने एक बार भी ना तो बोनस शेयर दिया है। और ना ही निवेशकों को बोनस शेयर बांटा है।

भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव पर रहेगी शेयर बाजार की नजर, आई एक गुड न्यूज भी

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्थानीय शेयर बाजारों की दिशा इस सप्ताह अमेरिकी केंद्रीय बैंक के ब्याज दर पर निर्णय, विदेशी संस्थागत निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों और कंपनियों के तिमाही नतीजों से तय होगी। एक्सपर्ट्स ने यह राय जताई है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव पर भी निवेशकों की निगाह रहेगी।

अमेरिका के साथ संभावित व्यापार समझौते की उम्मीदों और एफआईआई (विदेशी संस्थागत निवेशकों) के निरंतर प्रवाह की वजह से पिछले सप्ताह स्थानीय बाजार सकारात्मक रुख के साथ बंद हुए। हालांकि, बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक स्तर पर तनाव और शुल्क युद्ध के बीच कमजोर वैश्विक परिदृश्य के कारण निवेशक शेयरों पर बड़ा दांव नहीं लगा रहे हैं।

इस सप्ताह घोषित होने वाले वृहद आर्थिक आंकड़ों में एचएसबीसी सेवा पीएमआई (क्रय प्रबंधक सूचकांक) पर निवेशकों की नजर रहेगी।

रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वाइस प्रेसीडेंट अजित मिश्रा ने कहा, ''कई वैश्विक और घरेलू घटनाक्रमों की वजह से यह सप्ताह महत्वपूर्ण रहेगा।

2100% रिटर्न देने वाले स्टॉक का हो रहा है 10 हिस्सों में बंटवारा, मल्टीबैगर स्टॉक ने तय किया रिकॉर्ड डेट

बीते कुछ सालों के दौरान शेयर बाजारों में जिन कंपनियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। उसमें राजस्थान ट्यूब मैन्युफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड एक है। इस मल्टीबैगर रिटर्न देने वाले शेयरों का अब बंटवारा होने जा रहा है। इसके लिए तय रिकॉर्ड डेट इसी हफ्ते है। राजस्थान ट्यूब मैन्युफैक्चरिंग कंपनी के शेयरों को 10 हिस्सों में बांटने का फैसला किया गया है। कंपनी के शेयरों को बांटने के बाद इनकी फेस वैल्यू घटकर 1 रुपये हो जाएगी। मौजूदा समय में राजस्थान ट्यूब मैन्युफैक्चरिंग की फेस वैल्यू 10 रुपये है। बता दें, शेयर बाजार में यह मल्टीबैगर स्टॉक 8 मई को एक्स-स्प्लिट ट्रेड करेगी।

राजस्थान ट्यूब मैन्युफैक्चरिंग के शेयर शुक्रवार को बाजार के बंद होने के समय पर 287 रुपये के लेवल पर थे। पिछले 1 महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 24 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। वहीं, 3 साल में यह स्टॉक 144 प्रतिशत का रिटर्न देने में सफल रहा है। जिसकी वजह से निवेशकों का पैसा डबल हो गया है। 2025 में राजस्थान ट्यूब मैन्युफैक्चरिंग के शेयरों ने 211 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। एक साल में इस स्टॉक की कीमतों में 689 प्रतिशत की तेजी आई है। बता दें, कंपनी का 52 वीक हाई 287.10 रुपये और 52 वीक लो लेवल 26 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 129.37 करोड़ रुपये का है। 5 साल में राजस्थान ट्यूब मैन्युफैक्चरिंग के शेयरों का भाव 2100 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। इसी दौरान सेंसेक्स इंडेक्स में 198 प्रतिशत की तेजी आई है। कंपनी में प्रमोटर की हिस्सेदारी घटकर 34.08 प्रतिशत हो गया है। वहीं, पब्लिक के पास कंपनी में 65.92 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। दिसंबर तिमाही तक प्रमोटर के पास 34.19 प्रतिशत हिस्सा था।

275 से टूटकर 40 पर आ गया यह पावर शेयर, अब 9 मई को बड़ी बैठक, कर्ज फ्री हुई है कंपनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनिल अंबानी की पावर कंपनी रिलायंस पावर के शेयर आने वाले सप्ताह में फोकस में रह सकते हैं। दरअसल, कंपनी ने बीएसई को सूचित किया है कि कंपनी के बोर्ड मेंबर की बैठक 09 मई 2025 को होगी। इस दिन कंपनी अपने मार्च तिमाही के नतीजे जारी करेगी। इसके अलावा बीते शुक्रवार को कंपनी ने एक डील की घोषणा की है। रिलायंस पावर की सब्सिडियरी कंपनी रिलायंस न्यू सनटेक प्राइवेट लिमिटेड ने सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (सेकी) के साथ 25 साल के दीर्घकालिक बिजली खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। बता दें कि कंपनी के शेयर बीते शुक्रवार को 40.24 रुपये पर बंद हुए थे। बता दें कि दिसंबर तिमाही तक कंपनी के पास जीरो कर्ज है। डील के अनुसार, रिलायंस न्यू सनटेक 465 मेगावाट/1,860 मेगावाट घंटा बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस) के साथ इंटीग्रेटेड 930 मेगावाट सौर ऊर्जा की आपूर्ति 3.53 रुपये प्रति किलोवाट घंटा की प्रतिस्पर्धी स्थिर दर पर करेगी।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

जान बचाने वाली एंबुलेंस ने ही ले ली जान, टक्कर के बाद घायल को रास्ते में फेंक गया ड्राइवर

मंदसौर । मंदसौर जिले के शामगढ़ में शनिवार रात को एक तेज रफ्तार एम्बुलेंस चालक ने पहले तो एक अधेड़ को टक्कर मार दी। इसके बाद उसे अस्पताल छोड़ने के बजाय चौराहे पर ही फेंक कर चला गया। बाद में उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

पुलिस इस मामले में सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच कर रही है। वहीं ग्रामीण कह रहे हैं कि ड्राइवर पर हत्या का केस दर्ज किया जाना चाहिए। जानकारी के अनुसार नारायणसिंह पुत्र मांगूसिंह निवासी आकली दीवान (50 वर्ष) किसी कार्य से जा रहे थे, तभी एक एंबुलेंस चालक ने टक्कर मार दी। एंबुलेंस से शामगढ़ लाया था

दुर्घटना के बाद घायल अवस्था में उसी एंबुलेंस मे शामगढ़ लाया। इसके बाद गंभीर घायल नारायणसिंह को डिंपल चौराहा स्थित पट्टी वाले की दुकान के सामने फेंक कर चले गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार एंबुलेंस का साइड का फाटक भी इस दौरान टूटकर घटनास्थल पर गिर गया था।

बाद में लोगों ने जब घायल को तड़पते देखा तो तत्काल दूसरी एंबुलेंस बुलाकर शासकीय चिकित्सालय पहुंचाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद नारायणसिंह को मंदसौर रेफर किया गया। लेकिन रास्ते में ही उनकी मृत्यु हो गई।

सूचना मिलते ही पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर सीसीटीवी फुटेज खंगाले। इसमें पूरी घटना रिकॉर्ड हुई है। पुलिस को वह एंबुलेंस भी तन्वी होटल के पास खड़ी मिल गई। चालक फरार हो गया है। पुलिस इस मामले में चालक की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है।इधर रविवार सुबह से ही ग्रामीण पुलिस थाने पर जमा हो रहे हैं और इस मामले में हत्या का मुकदमा दर्ज करने की मांग कर रहे हैं।

दो कारों की टककर में तीन लोगों की मौत, तीन घायल

छतरपुर । छतरपुर जिले के बड़ामलहरा क्षेत्र में शनिवार-रविवार की रात करीब 11 बजे अर्टिगा और मारुति वैन की टक्कर हो गई। इस हादसे में एक बच्ची सहित तीन लोगों की मौत हो गई है और तीन लोग घायल हुए हैं। सभी घायलों का इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह हादसा कारों के तेज रफ्तार में होने की वजह से हुआ।

जानकारी के अनुसार रात के समय बड़ामलहरा के राजा ढाबा के पास अर्टिगा और मारुति वैन की जोरदार टक्कर हो गई। अर्टिगा छतरपुर की ओर से जा रही थी और वैन सागर की ओर से आ रही थी।हादसे में छतरपुर के अमर वाधवानी, तीन साल की बच्ची और बंडा के गजेंद्र अहिरवार की मौत हो गई। रितु बाधवानी, आरती अहिरवार और मधुर बाधवानी बुरी तरह से घायल हो गए। इनमें रितु वाधवानी को ग्वालियर, आरती अहिरवार को पहले बंडा फिर सागर रैफर किया गया है। मधुर वाधवानी को इलाज के लिए जिला अस्पताल छतरपुर भर्ती किया गया है।

मुस्लिम ने हिंदू धर्म अपनाकर मंदिर में रचाई शादी, बोला- पुलवामा आतंकी हमले से आहत था

जबलपुर। एक मुस्लिम युवक ने मंदिर में हिंदू धर्म अपनाकर हिंदू लड़की से शादी रचाई। युवक ने कहा कि वह पहलगाम हमले में धर्म पूछकर गोली मारने की घटना से आहत हुआ है, इसलिए वजह धर्म परिवर्तन कर रहा है।

रांझी इलाके में रहने वाले आन मुहम्मद खान ने मुस्लिम धर्म छोड़कर हिंदू सनातन धर्म अपना लिया है। युवक ने सतपुला इलाके में स्थित राम मंदिर पहुंचकर हिंदू रीति रिवाज से अपनी हिंदू प्रेमिका से शादी रचाई है। पेशे से टेलर हैं आन मुहम्मद खान

दरअसल आन मुहम्मद खान पेशे से टेलर हैं, जिसका सृष्टि हलदर नाम की युवती से प्रेम संबंध थे। दोनों के बीच धर्म की दीवार खड़ी हुई थी। युवक ने कहा कि इसी बीच जब पहलगाम में आतंकियों ने लोगों को धर्म पूछकर गोली मारी, तो उसने अपना धर्म बदलने का मन बना लिया।

आन मुहम्मद अपनी प्रेमिका सृष्टि के साथ सतपुला स्थित राम मंदिर गया। हिंदू रीति के अनुसार धर्म परिवर्तन करवाया। उसने पुजारी के साथ पूजा की, गंगाजल पीकर कलावा भी बंधवाया।

मंदिर में लगे भगवान श्रीराम के नारे

युवक ने हिंदू धर्म अपनाकर सृष्टि की मांग में सिंदूर भरा। उसके गले में वरमाला डाली। इस दौरान मंदिर परिसर जय श्री राम के नारे से गूंजने लगे। दोनों ने स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत कोर्ट मैरिज भी कर ली है। आन मुहम्मद खान ने हिंदू धर्म अपनाकर अपना नाम संजू रख लिया है।

युवक ने बताया कि उसने बिना किसी दबाव के अपनी मर्जी से हिंदू धर्म अपनाया है। इस शादी से वो अपनी हिंदू पत्नी के साथ खुशी से रहेगा।

फर्जी डॉक्टर पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड मशीन से कार में कर रहा था भ्रूण लिंग परीक्षण, हेल्थ डिपार्टमेंट की टीम ने पकड़ा

ग्वालियर । पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड मशीन से भ्रूण लिंग परीक्षण करने के मामले में छह साल से फरार चल रहे आरोपित पंकज तिवारी को ग्वालियर और मुरैना स्वास्थ्य विभाग की टीम ने स्टिंग ऑपरेशन कर राजस्थान के धौलपुर से रंगे हाथों पकड़ लिया है। टीम को यह कामयाबी कलेक्टर रुचिका चौहान एवं मुरैना कलेक्टर अंकित अस्थाना के समन्वय से मिली।

पकड़े गए आरोपित पंकज तिवारी पर ग्वालियर में पीसी-पीएनडीटी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज है। बता दें कि इसे पकड़ने के लिए पिछले डेढ़ माह से ग्वालियर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने जाल बिछाया हुआ था। राजस्थान के धौलपुर में होने की सूचना मिली थी

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सचिन श्रीवास्तव को शुक्रवार सुबह सूचना मिली थी कि पीसी-पीएनडीटी एक्ट के मामले में फरार चल रहे आरोपित पंकज तिवारी द्वारा राजस्थान के धौलपुर में चलित वाहन से भ्रूण परीक्षण किया जा रहा है। इसकी सूचना सीएमएचओ डॉ. श्रीवास्तव ने कलेक्टर चौहान को दी।

उन्होंने मुरैना कलेक्टर अस्थाना से फोन पर चर्चा कर एक संयुक्त दल गठित कराया। इसके बाद दोनों जिलों की टीमों ने आरोपित को धरदबोचा। टीम ने भ्रूण लिंग परीक्षण में उपयोग में लाए जा रहे वाहन व पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड मशीन को भी जब्त कर लिया है।

पंकज तिवारी ने स्वास्थ्य विभाग की टीमों पर कार चढ़ाने का प्रयास किया। इस दौरान दो गाड़ियों को तिवारी की क्रेटा कार के आगे-पीछे लगा दिया गया। तिवारी ने स्वयं और गर्भवती महिला को कार में बंद कर लिया। जिसके बाद कार के शीशे तोड़कर गर्भवती को बाहर निकाला गया। इस बीच दलाल आशा, कार्यकर्ता सुनीता जाटव 13 हजार रुपये लेकर वहां से भाग गई।

आरोपी फरहान पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज, SI की छीनी थी रिवाल्वर

भोपाल। हिंदू युवतियों से दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग कांड के मुख्य आरोपी फरहान पर हत्या के प्रयास का मामला भी दर्ज हो गया है। शुक्रवार को उसने पुलिस अभिरक्षा से भागने की कोशिश में एसआइ का रिवाल्वर छीन लिया था। छीनाझपटी में गोली चली जो उसके पैर में लगी है।

एसआइ विजय भामरे ने रात तीन बजे रातीबड़ थाने में एफआइआर दर्ज कराया है। इसके अनुसार शुक्रवार को अशोका गार्डन पुलिस ने फरहान को रिमांड पर लिया था। फरार आरोपी अबरार के बारे में पूछा गया, तो उसने बताया कि वे दोनों पहले सीहोर जिले के बिलकिसगंज में किराये के कमरे पर रहते थे।

पुलिस निशानदेही के लिए रात करीब 11 बजे उसे लेकर बिलकिसगंज रवाना हुई। रातीबड़ क्षेत्र स्थित सरवर मोड़ के पास उसने टॉयलेट का बहाना बनाकर गाड़ी रुकवाई। लघुशंका के लिए उसके एक हाथ की हथकड़ी खोली गई थी। वह उनके बाजू में ही खड़ा था। इस दौरान अचानक उनकी रिवाल्वर पर झपट पड़ा और गोली चल गई। मामले की

जांच कर रहे एसआइ रमेश सिंह ने बताया कि उस दौरान पुलिस वाहन में अशोकागार्डन थाना प्रभारी हेमंत श्रीवास्तव, एसआइ सुनील भदौरिया और एक अन्य प्रधान आरक्षक भी मौजूद थे। रातीबड़ थाना प्रभारी रासबिहारी शर्मा ने बताया कि शिकायत पर प्रकरण दर्ज किया गया है। आगे जांच होगी।

फरहान की मां का आरोप- सुनियोजित थी मुठभेड़

इधर फरहान के परिजनों ने पुलिस मुठभेड़ को सुनियोजित बताया है। उसकी मां आसिया खान ने कहा कि पुलिस अकारण ही उसे उठाकर ले गई थी। उसके पैर पर गोली मार दी।

शनिवार को वह पुलिस आयुक्त कार्यालय व डीजीपी कार्यालय शिकायत करने पहुंची। हालांकि अधिकारी कार्यालय में मौजूद नहीं थे, तो उन्होंने शिकायती आवेदन पोस्ट के जरिए भेजा है।

टीआइटी कॉलेज की छात्राओं से हुए इस जघन्य अपराध की जांच के लिए शनिवार को राष्ट्रीय महिला आयोग की गठित समिति के सदस्य भोपाल पहुंचे।

शिक्षा और जागरूकता से संभव है सिकल सेल एनीमिया का बचाव- संभागायुक्त श्री सिंह

सिकल सेल एनीमिया उन्मुलन पर संभाग स्तरीय बैठक सम्पन्न

इंदौर। सिकल सेल एनीमिया एक आनुवांशिक बीमारी है, जो प्राय- आदिवासी समाज में होती है। इसमें मरीज के पैरों और छाती में दर्द होता है, पेट में सूजन आ जाती है और अधिक गंभीर स्थिति में उसकी मृत्यु भी हो सकती है। ओडिशा और छत्तीसगढ़ के बाद मध्यप्रदेश देश का ऐसा तीसरा राज्य है जहां सिकल सेल एनीमिया के सर्वाधिक प्रभावित मरीज है। यह जानकारी आज यहां संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन की बैठक में दी गई। बैठक में उप संचालक राज्य हिमोग्लोबिन निकाय डॉ. रूबी खान, संयुक्त आयुक्त विकास श्री डी.एस. रणदा, क्षेत्रीय संचालक डॉ. शोजी जोसफ?, वरिष्ठ संयुक्त संचालक डॉ. पूनम गडरिया, एमवाय अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अशोक यादव सहित संभाग के सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि सिकल सेल एनीमिया का उन्मुलन राज्य शासन की प्राथमिकताओं में से एक है। इस बीमारी की रोकथाम में जागरूकता और शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके लिये मालवी, निमाड़ी आदि स्थानीय भाषाओं में सचित्र पुस्तके प्रकाशित की जाये। जागरूकता बढ़ाने के लिये आदिवासी क्षेत्रों में नुक्कड़ नाटकों का मंचन किया जाये। संभाग के सभी जिलों में कार्यशाला आयोजित की जाये। संभाग के सभी हितग्राहियों की स्क्रीनिंग के साथ उनकी काउंसिलिंग की जाये।

संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि एनीमिया,हिमोफिलिया, थैलीसिमिया और सिकल सेल एनीमिया आदि बीमारियों के निदान में मरीज को रक्त की अधिक आवश्यकता लगती है इसलिये संभाग के सभी जिलों में ब्लाक स्तर पर समय-समय पर रक्तदान शिविर आयोजित किये जाये। संभागायुक्त श्री सिंह ने सभी अधिकारियों को संकल्प दिलाया कि वे मिलकर सिकल सेल रोगों को जड़ से मिटाने के लिये हर संभव प्रयास करेंगे और ऐसे समाज का निर्माण करेंगे जहां हर बच्चा दर्द और पीड़ा से मुक्त होकर खुशहाल जीवन जी सकें।

डॉ. रूबी खान ने बताया कि सिकल सेल एनीमिया रक्त से जुड़ी एक ऐसी बीमारी है, जिसका पता यदि समय रहते लगा लिया जाये तो हम संभावित मरीजों को इस बीमारी से बचा सकते है। संभाग के सभी हितग्राहियों की जांच की जाये और इस कार्य में आशा कार्यकर्ता का पूरा सहयोग लिया जाये। जो हितग्राही सिकल सेल एनीमिया पॉजिटिव पाया जाये उसका चिन्हित कर तुरंत उसका इलाज शुरू कर दिया जाये।

सालाना चोरी होते हैं 10 करोड़ के मोबाइल, नेपाल-दुबई तक फैला है इंदौर के चोरों का नेटवर्क

इंदौर। शहर इंदौर में हर वर्ष 10 करोड़ रुपये से अधिक कीमत के मोबाइल गुम या चोरी हो जाते हैं। इनमें से केवल 3 करोड़ रुपये के मोबाइल ही पुलिस द्वारा बरामद किए जा पा रहे हैं। हाल ही में, इस सप्ताह क्राइम ब्रांच ने 45 लाख रुपये के मोबाइल फोन बरामद किए और उन्हें उनके असली मालिकों को सौंपा गया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, शेष मोबाइल इसलिए बरामद नहीं हो पाते क्योंकि या तो उन्हें तोड़कर पुर्जों में बेच दिया जाता है या फिर वे नेपाल जैसे देशों तक पहुंचा दिए जाते हैं, जहां से उन्हें ट्रैक करना मुश्किल हो जाता है। देशभर में चोरी हुए मोबाइल फोनों का एक व्यापक और सुनियोजित मार्केट है, जिसमें इंदौर भी एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभर कर सामने आया है। आंकड़ों के मुताबिक, इंदौर से हर साल 10 करोड़ से अधिक के मोबाइल चोरी, लूट या गुम हो जाते हैं। पिछले साल, क्राइम ब्रांच ने 3 करोड़ रुपये से अधिक कीमत के लगभग 1100 मोबाइल बरामद किए थे। वहीं इस साल अब तक 50 लाख रुपये के मोबाइल बरामद किए जा चुके हैं, जो इस सप्ताह लोगों को सौंपे गए। एडीसीपी क्राइम राजेश दंडोतिया का कहना है कि पुलिस जितने मोबाइल बरामद कर पाती है, असल में चोरी या गुम हुए मोबाइल की संख्या उससे पांच गुना अधिक होती है।

इंदौरी भी चख सकेंगे कोंकण के हापुस आम का स्वाद, मैंगो जत्रा 9 मई से

इंदौर। कोंकण के हापुस आमों की असली किस्म को इंदौर के लोग चख सकेंगे। वहां के 25 से ज्यादा किसान हापुस आमों को इंदौर के मैंगो जत्रा में लाएंगे। मराठी सोशल ग्रुप ट्रस्ट का जत्रा इंदौर में 9 से 11 मई तक ग्रामीण हाट बाजार, साउथ तुकोगंज पर लगने जा रहा है। तीन दिनों तक सुबह 9 से रात्रि 10 तक शहरवासी सीधे किसानों से हापुस आम खरीद सकेंगे और उसकी विभिन्न किस्मों का स्वाद भी ले सकेंगे।

ग्रुप के सुधीर दांडेकर, राजेश शाह ने बताया कि मेंगो जत्रा में 25 से अधिक आम उत्पादक हिस्सा लेंगें । इस बार भी कृषक बढ़ चढ़ कर मेंगो जत्रा में हिस्सा लेने के लिए पहुंच रहे है । 2013 में मात्र 5 कृषकों से प्रारम्भ हुए मेंगो जत्रा को लेकर इस बार कोंकण के किसान उत्साहित है। कोकण के अचार और आमचुल भी जत्रा में नजर आएंगे। मेंगो जत्रा में रत्नागिरी, देवगढ़ (कोंकण) के आम उत्पादक व किसान वहां के विशिष्ट हापुस आम और अन्य उत्पाद लेकर सीधे ग्राहक को विक्रय करते है।

संभागायुक्त दीपक सिंह की अध्यक्षता में राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम संभागीय समीक्षा बैठक सम्पन्न

कार्य में अनुशासनहीनता और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को शोकाज नोटिस जारी करने के दिये निर्देश

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में संभागायुक्त कार्यालय में आज राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम संभागीय समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में संयुक्त आयुक्त विकास श्री डी.एस. रणदा, क्षेत्रीय संचालक डॉ. शोजी जोसफ, वरिष्ठ संयुक्त संचालक डॉ. पूनम गडरिया, सहित संभाग के सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत राष्ट्रीय क्षय नियंत्रण कार्यक्रम, डीबीटी, निक्षय मित्र, आयुष्मान भारत योजना, गंभीर कुपोषित बच्चों को संस्थागत प्रबंधन, जननी सुरक्षा योजना, प्रसूति सहायता योजना, शिक्षा स्वास्थ्य पूर्ण टीकाकरण तथा अंधत्व निवाराण सहित विभिन्न विभागों की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट देखी और उसकी समीक्षा की। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने सभी अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे अपना कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण ईमानदारी, गुणवत्ता, पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ करें। मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी और सिविल सर्जन अपने क्षेत्र अंतर्गत जाकर देखें कि संबंधित अधिकारियों को जो कार्य दिया गया है वे उसे सही तरीके से सम्पादित कर रहे है या नहीं और उन्हें किस प्रकार के सहयोग की आवश्यकता है।

अधिक उम्र के अविवाहित, विधवा, विधुर, तलाकशुदा और दिव्यांगों का परिचय सम्मेलन, वाट्सएप पर करें रजिस्ट्रेशन

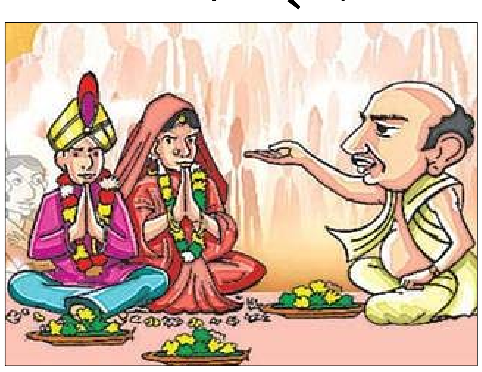

इंदौर। म.प्र. वैश्य महासम्मेलन द्वारा शहर में पहली बार रवीन्द्र नाट्य गृह में 1 जून को विधवा, विधुर, तलाकशुदा, दिव्यांग एवं अधिक उम्र के अविवाहित प्रत्याशियों का अ.भा. परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इसमें अब तक विधवा-विधुर एवं तलाकशुदा प्रत्याशियों की 375 प्रविष्टियां मिल चुकी हैं, जबकि 355 प्रत्याशी ऐसे हैं, जिनकी आयु 37 वर्ष से अधिक हो चुकी है। ये सभी इस सम्मेलन में देशभर से आने वाले प्रत्याशियों में से जीवनसाथी की तलाश करेंगे। सम्मेलन में अग्रवाल, माहेश्वरी, जैन, खंडेलवाल, मोढ़, नागर चित्तौड़ा, विजयवर्गीय, नीमा, पोरवाल, गहोई वैश्य सहित करीब 25 समाजों के प्रत्याशी शामिल होंगे। देश के 200 से अधिक केंद्रों पर इस परिचय सम्मेलन के प्रविष्टि पत्र उपलब्ध करवाए जा रहे हैं।

इंदौर में बर्तन व्यापारी पर हमला कर लूटे साढ़े नौ लाख रुपय

इंदौर। इंदौर में एरोड्रम जैसे व्यस्त क्षेत्र में भी बदमाशों ने लूट की घटना को अंजाम दे दिया। दुकान से अपने घर जा रहे बुर्जुग व्यापारी को बदमाशों ने रोका। मुंह पर घूसे मारे और डिक्की में रखे साढ़े 9 लाख रुपये का झोला निकाल लिया और भाग गए। यह वारदात शाम साढ़े सात बजे हुई, जब इस मार्ग पर भारी भीड़ रहती है। मारपीट के कारण व्यापारी बाबूलाल गोयल के मुंह पर सूजन भी आ गई। परिजन उन्हें अस्पताल भी ले गए थे।

बाबूलाल बर्तन व्यापारी है। वे अपनी एक्टिवा से पेमेंट लेने बर्तन बाजार गए थे। संभवत- बदमाशों ने उनकी रैकी की। दो व्यापारियों से उन्होंने साढ़े नौ लाख रुपये का पेंमेट लिया और डिक्की में रखा। इसके बाद वे घर की तरफ लौटने लगे। वे द्वारकाधीश कॉलोनी में रहते है। वे एरोड्रम क्षेत्र से जा रहे थे, तभी दोपहिया पर तीन बदमाश आए और उनकी गाड़ी को रोका। वे कुछ समझ पाते, उससे पहले एक बदमाश ने घूसे बरसाना शुरू कर दिए।

वारदात के समय सड़क पर ट्रैफिक था। बाबूलाल ने लोगों से मदद भी मांगी, लेकिन कोई आगे नहीं आया। दूसरे बदमाश ने गाड़ी से चाबी निकाल कर डिक्की खोली और रुपये निकाल लिए। इसके बाद वे भाग गए। बाबूलाल ने परिजनों को सूचना दी। परिजन उन्हें अस्पताल ले गए और पुलिस को वारदात के बारे में बताया। हमेशा की तरह पुलिस अब आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है, ताकि आरोपियों की पहचान हो सके। व्यापारी ने बताया कि बदमाशों की उम्र 22 से 27 साल के बीच है।

हर-हर महादेव के जयघोष के साथ शिवमहापुराण कथा सम्पन्न

इंदौर। खंडवा रोड स्थित तेजाजी नगर के अनुराधा नगर में स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर परिसर में आयोजित श्री हाटकेश्वर शिव महापुराण कथा का सात दिवसीय आयोजन भक्तिभाव की ऊँचाइयों को छूते हुए सैकड़ों श्रद्धालुओं की आंखों में आस्था की अश्रुधारा और हृदयों में शिवत्व की ज्योति जलाकर संपन्न हुआ।

इस दिव्य आयोजन की पृष्ठभूमि श्री हाटकेश्वर पापमोचनी नवदुर्गा एवं श्री राघवेंद्र सरकार द्वितीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव रही, जिसे गंगा गीता गायत्री गौ द्विज संरक्षण सेवा समिति, विरगोदा की सक्रिय सहभागिता ने आत्मा के स्तर पर छू लेने वाला बना दिया।

कथा व्यास आचार्य श्री राकेश कृष्ण शर्मा जी ने सात दिनों तक अपने ओजस्वी वाणी में पुराण की पवित्र कथाओं को इस प्रकार उकेरा मानो भगवान शिव स्वयं पांडाल में विराजित होकर प्रसंगों का स्मरण करा रहे हों। कथा की हर संध्या एक नई दिव्यता से भरपूर रहीकृकभी सती-शिव विवाह का करुणामयी प्रसंग, तो कभी पार्वती की तपस्या और शिव-विवाह की भक्ति-गाथा, कहीं अमरनाथ गुफा में अमरत्व का रहस्य, तो कहीं द्वादश ज्योतिर्लिंगों की महिमा।

कथा में जब रावण द्वारा कैलाश उठाने और शिव तांडव स्तोत्र की उत्पत्ति का प्रसंग प्रस्तुत हुआ, तो पंडाल में बैठे श्रद्धालु जय शिव शंकर के जयघोष में खो गए। कथा के दौरान भजनों पर झूमते श्रद्धालुओं का दृश्य ऐसा था मानो कैलाश स्वयं धरा पर अवतरित हो गया हो।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृगधरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

भव्य पैदल मार्च से टॉवर चौक में गूंजा सेवा, सुरक्षा और संकल्प का संदेश

उज्जैन। रविवार को टॉवर चौक, उज्जैन में उज्जैन पुलिस द्वारा एक भव्य पैदल मार्च (परेड) का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में उज्जैन पुलिस बल के अधिकारियों और जवानों ने अनुशासन और समर्पण का परिचय देते हुए भाग लिया।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक उज्जैन ने अपने संबोधन में पैदल मार्च की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि, पैदल मार्च पुलिस बल की सजगता, अनुशासन और टीम भावना को दर्शाता है। इससे पुलिस कर्मियों की फिजिकल फिटनेस के साथ-साथ मनोबल भी मजबूत होता है, जो किसी भी चुनौती का सामना करने में मदद करता है।

एवं उज्जैन पुलिस द्वारा लगातार क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है, जिससे अपराधों में प्रभावी कमी देखने को मिल रही है। विशेष रूप से शराब पीकर वाहन चलाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के कारण सड़क दुर्घटनाओं में भी उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि यह सब पुलिस बल की सतर्कता, मेहनत और जनता के सहयोग से संभव हुआ है।

एवं कहा की उज्जैन पुलिस ने पंचकोशी यात्रा 2025 के सफल आयोजन के लिए समस्त पुलिस स्टाफ को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, ÷इस बार की पंचकोशी यात्रा बिना किसी अप्रिय घटना के सफलतापूर्वक संपन्न हुई है, जो पुलिस बल की सतर्कता, सूझबूझ और निरंतर प्रयासों का परिणाम है। मैं समस्त स्टाफ को इस उपलब्धि के लिए धन्यवाद और बधाई देता हूँ।

भविष्य में उज्जैन में और भी सार्वजनिक परेडों का आयोजन किया जाएगा, जिससे पुलिस बल की सतर्कता, फिटनेस और जनता से संवाद को और अधिक सशक्त बनाया जा सके।

न बादल घिरेंगे न बरसात होगी–मृदुला

उज्जैन। ग़ज़लांजलि साहित्यिक संस्था की काव्य-गोष्ठी रूपांतरण दशहरा मैदान पर आयोजित हुई। गोष्ठी में जोधपुर से देश के प्रख्यात कवि अनिल अनवर एवं मृदुला अतिथि रूप में उपस्थित रहे। दीप प्रज्वलन पश्चात डॉ. अखिलेश चौरे अखिल ने दिन सोने जैसे थे चाँदी की लगती रातें, दौर मुहब्बत का अजीब था और अजीब बातें... ग़ज़ल पढ़ी तो वहीं मृदुला जी ने गीत न बादल घिरेंगे न बरसात होगी, न ये बात होगी न वो बात होगी... सुनाकर कक्ष में उपस्थित सभी कवियों को वाह वाह करने मजबूर कर दिया।

ला चुकी है ग़मज़दा यह ज़िन्दगी इस मोड़ पर, अब तो खुशियाँ बाँटना ही अपना कारोबार है.. ग़ज़ल शायर आशीष अश्क द्वारा पढ़ी गई। अशोक रक्ताले ने बेटियों पर छंद सुनाए वंश के विराट वृक्ष के तने पे डाल और पात संग पुष्प सा शृंगार होतीं बेटियाँ, वहीं सत्यनारायण सत्येन्द्र ने क्षणिकाएँ सुनाईं। छलने लगे हैं अब तो उजाले अपने और अपनी जुबान पर जड़े हैं ताले अपने रचना दिलीप जैन द्वारा पढ़ी गई। रामदास समर्थ ने सुन सखी दाता सागर से मेरे प्रिय का नित नाता गीत सुनाया। प्रख्यात शायर अनिल अनवर ने मानवीय हकीक़त को ग़ज़ल के माध्यम से प्रस्तुत किया बारातें याद रखते हैं जनाज़े भूल जाते हैं, बशर को जो नहीं भाते वो किस्से भूल जाते हैं, अक्षय चवरे ने मोहक गीत पेड़ों की छाँव पर है धूप का पहरा, सुनाकर राजनीतिक परिदृश्य को दर्शाया। धूँढली यादों में तसकीने दिल, फासलों में भी बहुत मज़ा है ग़ज़ल शायर आरिफ़ अफ़ज़ल द्वारा पढ़ी गई। गोष्ठी को आगे बढ़ाते हुए व्ही.एस. गहलोत साकित ने ग़ज़ल एक दूसरे के दर्द का एहसास किसे हैं, तकिये के सिवा आँसूओं की प्यास किसे हैं... सुनाई। प्रफुल्ल शुक्ला ने कविता जो सभ्यता लड़ती नहीं है वो पिट जाती है... सुनाई तो विनोद काबरा, डॉ. विजय सुखवानी एवं अवधेश वर्मा नीर ने भी अपनी रचनाओं का पाठ किया। अंत में कार्यक्रम की समीक्षा डॉ. हरिमोहन बुधौलिया द्वारा प्रस्तुत की गई।

वरिष्ठ भाजपा नेता एवम प्रसिद्ध समाज सेवी श्री सेवाराम गेहलोत का निधन

उज्जैन। कुछ व्यक्ति अपनी जिंदगी में कुछ ऐसे कर्म कर जाते हे जिनकी क्षतिपूर्ति शायद कभी पूरी नहीं की जा सकती हे।ऐसे ही एक उदाहरण उज्जैन शहर में राणा राजपूत समाज के वरिष्ठ श्री सेवाराम जी गेहलोत थे। जैसा नाम वैसा ही उनका काम उद्देश्य बस एक ही मानव मात्र की सेवा करना , आदरणीय श्री सेवाराम जी गेहलोत भाजपा के वरिष्ठ नेता रहे , उनके अग्रज भाई स्वर्गीय श्री बाबूलाल जी गेहलोत भी प्रसिद्ध समाजसेवी रहे। राणा राजपूत समाज के अध्यक्ष श्री अम्बाशंकर गेहलोत ओर सचिव श्री ललित कुमार गेहलोत ने संयुक्त रूप से बताया कि समाज के प्रत्येक कार्य हो या अन्य समाज में कभी जहां जरूरत होती केवल एक फोन पर वो उपस्थित हो जाते थे। सहज, सरल स्वभाव के श्री गेहलोत का रुतबा ऐसा था कि छोटा हो या उनकी उम्र से बड़ा सभी उनका कहना मनाते थे।

सेवानिवृत्ति पर चौहान का अभिनंदन

उज्जैन। बसंतविहार निवासी गोपालसिंह चौहान पश्चिम रेल्वे से विधि अधिकारी के पद से सेवानिवृत्ति पर अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य-ठाकुर हरदयालसिंह एडवोकेट,कोषाध्यक्ष- मलखानसिंह लिखित,शहर महामंत्री-अनिलसिंह राजपूत,शहर उपाध्यक्ष-अंतरसिंह चौहान,कोरकमेटी सदस्य-राजेंद्रसिंह राठौड़ आदि ने श्री चौहान का शाल, श्रीफल तथा पुष्पमालाओं से अभिनंदन किया,इस अवसर पर चौहान ने कहा कि 37 वर्षों तक सफलतापूर्वक सेवा करने के दौरान साथियों का सराहनी योगदान रहा है।

सनातन हिंदू महिला शक्ति ने कराया ग्रैंड हाऊजी, एक लाख के आइटम्स किए गिफ्ट

उज्जैन। सनातन हिंदू महिला शक्ति के द्वारा 12 जोड़ों का सामूहिक विवाह कराया गया। सामूहिक विवाह समारोह में प्रत्येक जोड़े को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा इक्यावन हजार रुपये की राशि दी गई। कार्यक्रम में ग्रैंड हाऊजी (तंबोला) खिलाया गया, जिसके अंतर्गत एक लाख के इलेक्ट्रॉनिक आइटम्स एलसीडी, फ्रिज, माइक्रो मिक्सर ओटीजी कूलर, इंडक्शन इलेक्ट्रॉनिक आइटम गिफ्ट में दिए गए। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि देवास राज घराने से गायत्री राजे पंवार विधायक, सीमा यादव, कलावती यादव नगर निगम सभापति, डॉ. सतविंदर कौर सलूजा, अलका राय सैनी माली समाज राष्ट्रीय अध्यक्ष, संध्या सोलंकी के साथ सभी महिलाओं के अथक परिश्रम से कार्यक्रम सफल हो पाया। ग्रैंड हाऊजी में सनातन हिंदू महिला शक्ति की समस्त नारी शक्ति, इंदिरा विजयवर्गीय, अंजना शुक्ला, रूपाली अग्रवाल, मनीषा अग्रवाल, अंजू सिंह जाट, लता कुशवाहा, चंद्रकांता कुशवाहा, रेखा यादव, रितु यादव, पल्लवी देवनानी, पूजा पांडे, सरिता पांडे, सुनीता कलावड़िया, सुधा शर्मा, वंदना तिवारी, आशा सेठिया, प्रीति बाफना, सुषमा यादव, नीलू भदोरिया, सुनीता पंड्या, साधना श्री श्रीमाल, ममता तिवारी, रीना नारंग, निमिषा मल्होत्रा, माया बदेका, स्वीटी साहनी, नेहा माहेश्वरी, दीपाली सोमानी, पूनम खंडेलवाल, मोनिका सेठी, योगिता खत्री, समीक्षा व्यास, मोना जैन व उज्जैन शहर की तीन हजार महिलाएं कार्यक्रम में उपस्थित थी।

अखिल भारतीय फिरोजिया ट्रॉफी 2025 का आज से होगा आगाज

उज्जैन। धार्मिक नगरी उज्जैन में मिनी नाईट क्रिकेट महाकुभ ''अखिल भारतीय फिरोजिया ट्राफी 2025'' का आयोजन आज 05 मई से 11 मई 2025 तक नगर के बीच स्थित खेल मैदान क्षीर सागर पर प्रतिदन सायः 06 से होने जा रहा है। सांसद श्री अनिल फिरोजिया द्वारा अपने पति स्व. श्री भूरेलाल जी फिरोजिया (पूर्व विधायक) की स्मृति मे विगत 20 से अधिक नगर एवं प्रदेश में विभिन्न सांस्कृतिक एवं खेल प्रतियोगिता जैसे क्रिकेट, फुटबाल, हॉकी, वालीबाल, बास्केटबाल, कारटे, जूतकून्डो, बक्सीग आदि का आयोजन करते आ रहे है। इस वर्ष भी मध्यप्रदेष की सबसे बड़ी हैवी टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजना आज से देश के विभिन्न प्रांत जैसे महाराष्ट्र, गुजरात, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ, उडिसा, राजस्थान, उत्रप्रदेश, पश्चिमबंगाल, झारखण्ड, पंजाब की टीमे भाग ले रही है। जिसमें देशभर के अंडर 16 एवं 19 के प्रतिष्ठत खिलाडी के साथ हैवी टेनिस बॉल के मशहूर खिलाडी भाग लेगे।

इस प्रतियोगिता में अतिर्थि के रूप में माननीय डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन, भारत सरकार के केन्द्रीय मंत्री, मध्यप्रदेश सरकार के विभिन्न मंत्री, सांसद, विधायक, महापौर, के साथ पूर्व भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी, भारतीय क्रिकेट टीम सिलेक्टर, मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के पदाधिकारी के साथ कई गणमान्य अतिर्थि उपस्थिति रहेगे।

स्व. श्री भूरेलाल फिरोजिया सामाजिक एवं शोध संस्था, उज्जैन द्वारा आयोजित फिरोजिया ट्रॉफी 2025 का प्रथम पुरस्कार 5 लाख 51 हज़ार द्वितीय पुरस्कार . 2 लाख 51 हज़ार मैन ऑफ़ द सीरीज़ . बाइक. ट्रॉफ़ी फ़ाइनल मैन ऑफ़ द मैच 21 हज़ार. ट्रॉफ़ी दर्शकों द्वारा कैच पकड़ने पर नगद पुरस्कार रखा गया है।

संस्था के सचिव श्री सुदर्शन शिशुलकर ने बताया कि इस आयोजन मे महिला क्रिकेट को बढ़वा देने हेतु विशेष महिला क्रिकेट मैंच, के साथ अधिकारी-11 एवं पत्रकार -11 के मैचों का भी आयोजन किया जायेगा। सभी मैचों का लाइव प्रसारण यू-टूब के चेनल BLF Ujjain https://www.youtube.com/channel/UCoGJCpFozREYUbj}-zMgOYQ की लिंक के माध्यम से भी किया जावेगा। उज्जैन सांसद एवं संस्था के संरक्षक श्री अनिल फिरोजिया जी ने खेल एवं खिलाडीयों को बढ़वा देने हेतु उज्जैन नगर एवं आज-पास के क्षेत्र की समस्त जनता एवं खिलाडीयों से विशेष आग्रह किया हैं, कि इस आयोजन को देखने और खिलाडियों को प्रोत्साहित करने हेतु आवश्य रूप प्रधारें।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com